



# VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS  
No. 3  
26 AUG 2024  
RECEIVED

## GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2366)

Name of Candidate	Arun Kumar		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	1445517
Center	MN Delhi	Date	26/AUG/2024

### INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
3(c)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

### INSTRUCTIONS

- Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).  
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
- There are **TWELVE** questions printed in **HINDI & ENGLISH** इसमें बारह प्रश्न हैं हिन्दी और अंग्रेजी में छपे हैं।
- All questions are compulsory.**  
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- The number of marks carried by a question/part is indicated against it.  
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
- Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.  
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
- Word limit in questions, if specified, should be adhered to.  
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
- Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.  
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2<sup>nd</sup> Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar  
Delhi- 110009

## EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

## खंड B / SECTION A

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. (a) डिजिटल प्रभाव के प्रभुत्व वाले युग में कोई परिवार मूल नैतिक सिद्धांतों को प्रभावी ढंग से कैसे प्रसारित कर सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

How can the family effectively transmit core moral principles in an era dominated by digital influences? (Answer in 150 words) 10

आधुनिक समय में डिजिटलीकरण के  
प्रभाव से समाज में मूल्यों को बच्चों में पुष्ट  
करना कठिन हुआ है। हालांकि परिवार  
समाज मूल्यों से निर्धारित होते हैं, वे  
बच्चों में उचित मूल्यों को प्राप्त कराते  
हैं।

डिजिटल प्रभुत्व में मूल्य प्रसारित करना

- 1) कार्टूनों, धार्मिक कहानियों व नैतिक शिक्षा युक्त  
कहानियों को दिखाना

(उदाहरण: रामायण कार्टून, ध्रुव प्रहलाद आदि की  
नैतिक कहानियाँ हैं)

- 2) ऑनलाइन पत्रिका में वीडियो सामग्री को महत्व देना

(उदा० - 'डिजिटल स्टोरीलाइन्स' का उपयोग करते  
समय महिलाओं को समान करना सीखाना)

- 3) साप्ताहिक डिजिटल लर्निंग → साक्षात्कार का मूल्य  
(उदा० - जैसे बच्चे जिन्हें पास में नहीं हैं उनसे  
हाथ Class देना)

4). बड़ों का आदर, प्रेम व सम्मान  
(उदा. online मीटिंग, विडियो चैटिंग के  
दौरान)

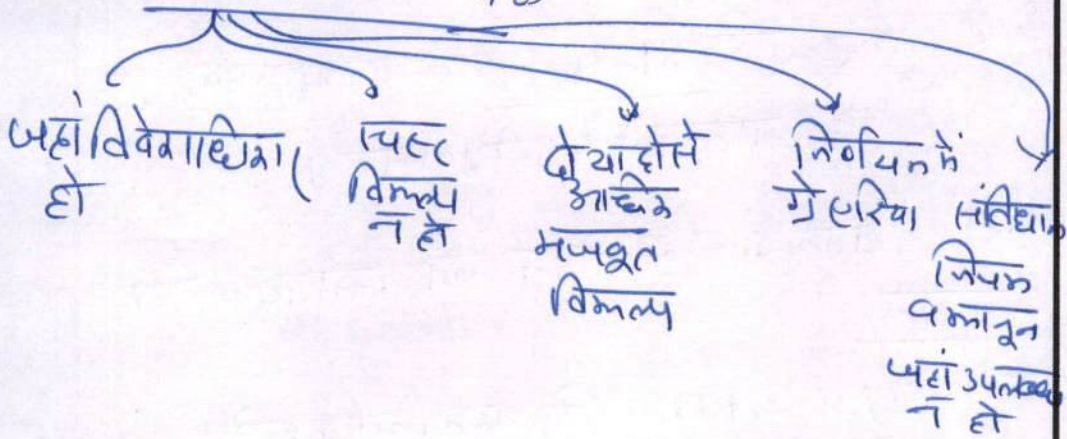
5). साहित्यिकता का मूल्य  
(इस विषय (समाज, पं.न. और पढ़ाई) वाले  
व्यक्तियों से इंटरव्यू करते हुए अनुभवों  
साहित्यिकता)

अतः समाज परिवर्तन शक्ति है,  
डिजिटल युग में नए मूल्यों का आविष्कार हुआ है  
अतः परिवार को ज्येष्ठोदारी है कि वरुणों  
को नैतिक मूल्यों व आदर्शों से युक्त करें।

1. (b) हालांकि अंतःकरण सामान्य तौर पर नैतिक निर्णय-निर्माण में एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है, लेकिन कभी-कभी इसकी सीमाएं भी होती हैं। विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)  
Though conscience generally serves as a crucial guide in ethical decision-making, it is sometimes fraught with limitations. Discuss. (Answer in 150 words) 10

अंतःकरण से आशय अपनी अंतरात्मा  
का अनुसरण करते हुए निर्णय लेने से है

अंतरात्मा का निर्णय



अंतरात्मा के निर्णय का महत्व

1) "अंतरात्मा की आवाज श्रेष्ठ की आवाज है वह सभी पापियों को लक्षित करे।"

← (गांधी)

2) निर्णय कर्मणा, समानुभूतिपूर्वक लिये जाते हैं।

(अज्ञान वायोमैट्रिक प्रक्रिया के अभाव में एक गरीब व्यक्ति को PDS अनाज उपलब्ध कराना)

3) उच्च स्तरीय मानसिक कलात्मक संयुक्त

## अंतरण की सीमाएँ

### 1. पूर्वग्रह युक्त नियम

(eg. यदि व्यक्ति साम्यवादिता के वातावरण में पला-वड़ा है तो उसके नियमों में पक्षपात हो सकता है धर्म विशेष के प्रति)

(eg. 2. अगर व्यक्ति खेदसत्र वाले परिवार में पलावड़ा है तो महिलाओं के प्रति पूर्वग्रह)

### 2. इसरो की क्षमताओं को कम आँकना तथा नस्लीय व पालीय पक्षपात -

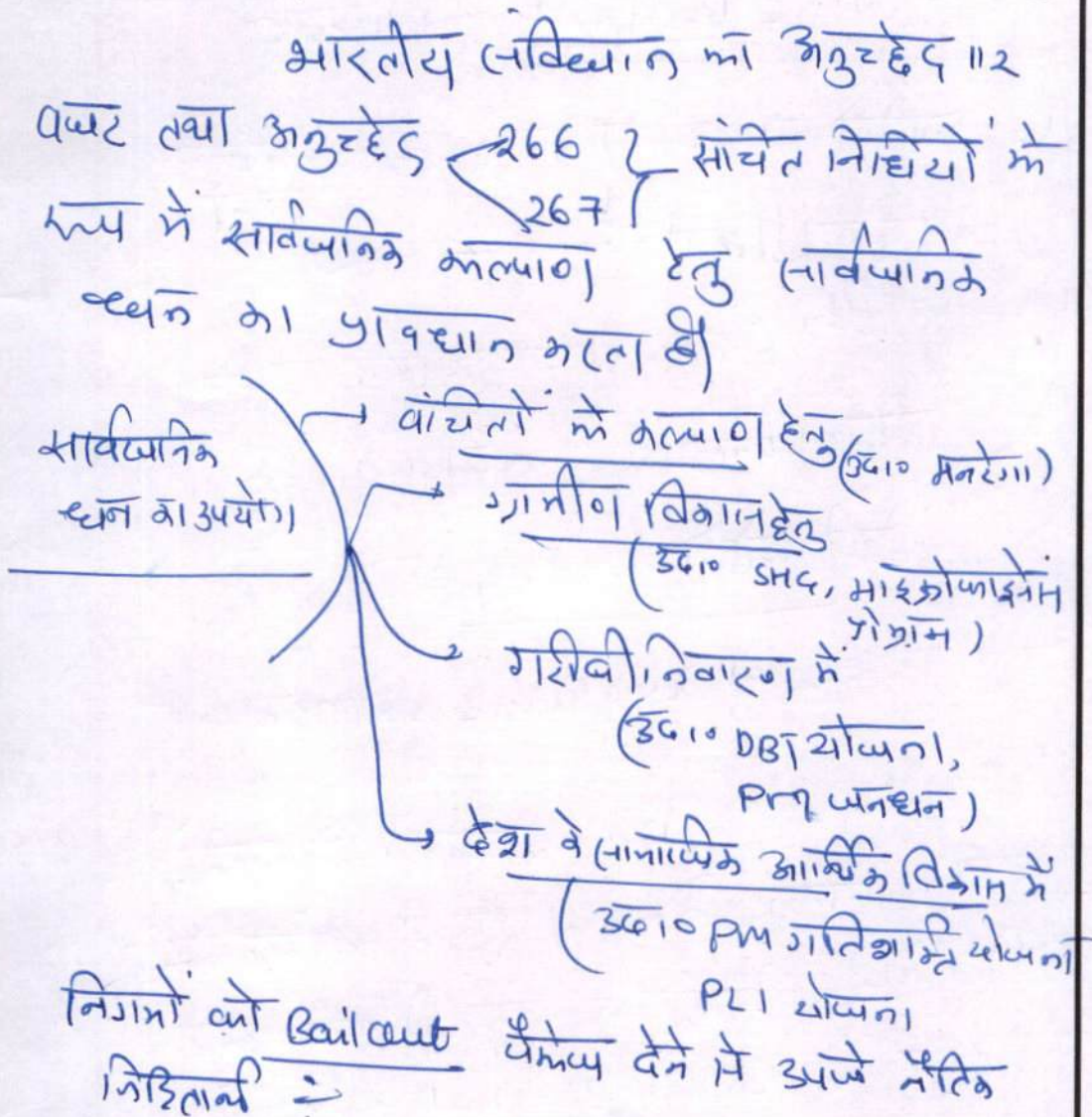
(उदा० SC/ST Act 1955 के तहत नियम होने वाला अधिकारी इन समुदायों के प्रति पक्षपात धृष्ट व अमानवीय मानता है तो निस्पृह करवाई नहीं करेगा)

## अंतरण को पुष्ट करने के उपाय

- अपने ज्ञान व विवेक का विस्तार करना
- मानवीय इतिहास को शामिल करते हुए मनोविज्ञान, नियम के योग, ध्यान, आत्मव्याकरण करें
- बहुआयामी सोच का विस्तार
- अवैयक्तिक (व्यक्ति) पर परिवर्तनकारी नारीवादी

2. (a) सार्वजनिक धन के उपयोग को किन नैतिक सिद्धांतों के आधार पर नियंत्रित किया जाना चाहिए? बड़े निगमों को उबारने (bail out) के लिए करदाताओं के पैसे का उपयोग करने के नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What ethical principles should govern the utilization of public funds? Discuss the moral implications of using taxpayer money to bail out large corporations. (Answer in 150 words) 10



- 1). सार्वजनिक धन का उपयोग, कारपोरेट की गलतियों (उदा० निजी बैंकों में NPA का वित्तियन)
- 2). करदाता के पैसे का उपयोग, कल्याण में न करना
- 3). अचेत अनुचित कारपोरेट तथा NPA संवृत्तियों का

4). करदाताओं का अतिरिक्त बोझ,

↳ उनके धन का उपयोग (कमजोर  
सांसाध्यिक-आर्थिक ब्ययों में)

धरती मारपीट Bail out का मतलब है

↳ कंपनियों को डूबने से बचाने हेतु → कर्मचारी  
रोजगारों की कमी

↳ अतः रोजगार उपलब्धता हेतु

उचित कार्यवाही को बढ़ावा देने हेतु

देखी उद्योगों के विकास हेतु

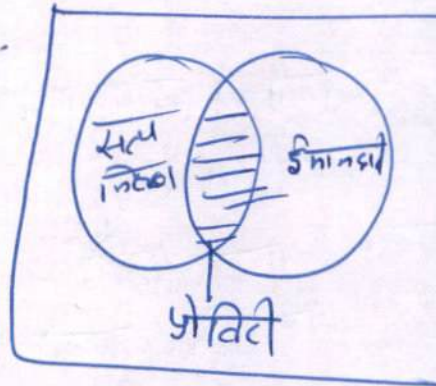
→ Ease of Doing Business को बढ़ावा देना

अतः सरकारों को कंपनियों  
पर बड़ी आडिऑरिंग निगरानी रखनी चाहिए जिससे  
उनकी ऐसी स्थिति न बने की उन्हें पता  
ने है उस लेखन को Bail out हेतु देना पड़े।

2. (b) ईमानदारी का अर्थ केवल भ्रष्ट या बेईमान आचरण से बचना नहीं है। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Probity means more than just the avoidance of corrupt or dishonest conduct.  
Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

ईमानदारी से आशय श्रद्धाचरण से अथवा तथा मजबूती-वरनी में एकरूपता लाया है। 2<sup>nd</sup> ARC ने ईमानदारी को लोकसेवकों हेतु महत्वपूर्ण आवश्यक मूल्य माना है।



(उदा० PLI योजना के कार्यान्वयन में न सिर्फ असाधारण वे ईमानदारी को रखा गया है बल्कि नियति वातावरण को भी सुदृढ़ कर देश के विकास का मार्ग प्रशस्त किया गया)

②. UPSC द्वारा कराई जाने वाली अतीपरीक्षाओं में ईमानदारी सत्यनिष्ठा समावेशिता का पालन करते हुए भेद्यता हटाई तथा वांछित (समय में छात्रों का विश्वास बनाए रखा गया है)

ईमानदारी का महत्व

७) सामाजिक अत्याचार हेतु  
(उदा० अज 39(9), 43(a)(b) की व्यापन)

2) वाचेतो के प्रति-पाद

(उदा० अचेत रूप से आसन्न नीतियों को  
बाहर करना)

3) लौकतांत्रिक प्रणाली के स्वरूप हेतु

उदा० टी.एन. शेषन द्वारा युनायटेड स्टेट्स के माध्यम से

4) नीतिक मूल्यों की स्थापना में तथा शान्तिपूर्ण समाज की  
(स्थापना हेतु

(उदा० नारिक देशों में ईमानदारी पूर्ण प्रथाओं ने  
यहां के समाजों में अचेत मूल्यों का  
विकास किया है)

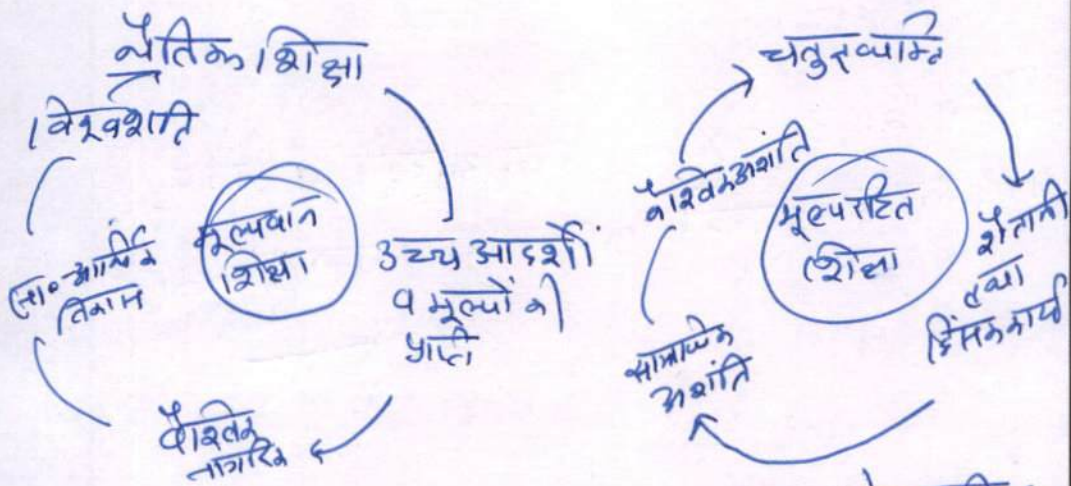
निराला ईमानदारी के लिए लोकसभकों में  
समतामूलक समाज की स्थापना हेतु महत्त्वपूर्ण हैं  
जिसका  
SDG # 5, 10, # 8, 17 की प्राप्ति  
हेतु - ईमानदारी सर्वोत्तम उपाय है

3. वर्तमान संदर्भ में निम्नलिखित उद्धरण आपको क्या संदेश देते हैं।  
What does the following quotation convey to you in the present context.

- (a) "किसी व्यक्ति को नैतिकता के बजाय मानसिक रूप से शिक्षित करना समाज के लिए खतरा पैदा करना है।"  
- थियोडोर रूजवेल्ट (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)  
"To educate a man in mind and not in morals is to educate a menace to society." - Theodore Roosevelt (Answer in 150 words) 10

थियोडोर रूजवेल्ट का उपरोक्त मूल्यन व्यक्ति को सामाजिक - नैतिक मूल्यों की स्थापना व महव्युक्ति को रेखांकित करना है।

“ हमने गाइड्स मिशन को बनाया है तथा मिलगाइड्स आदमी ” → मार्गदर्शक



eg. नेशनल गवर्नल  
27 ब्रेक जूल में रहने के बाद  
श्री साहिबगुल के मूल्य  
तथा लतानल को प्राव्यक्त

eg. ओसामा बिन लडेन  
Oxford से इंग्लिश में डिग्री  
के बावजूद आतंकी  
गतिविधियों में  
ललंगन

इतिहास मूल्यों की व्यापक मानसिक रूप से  
शिक्षित व्यक्ति को धारण करने के लिए  
कार्य करना है उदा - अतिमता रहित  
चिकित्सक अंग रक्षक, अंग रक्षक,  
अंग रक्षक अंग विकास, अंग रक्षक अंग रक्षक  
को ICU में रखकर धन अंग रक्षक की  
प्रकारों में संश्लेषण पाये जाते हैं।

अतः हमें विश्व को शान्तिपूर्ण  
रहने योग्य बनाना है तो मूल्यों से युक्त शिक्षा को  
पढ़ा देना होगा।

4 शिक्षा का उद्देश्य - उच्च आदर्शों, वं ज्ञान में  
प्रतिभार के धारण आत्मा का विकास करना है।

- टी.जी.ए.

3. (b) "असफलता बस फिर से शुरू करने का अवसर है, इस बार और अधिक समझदारी से।" - हेनरी फोर्ड (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Failure is simply the opportunity to begin again, this time more intelligently." - Henry Ford (Answer in 150 words) 10

८ आपकी सफलता इस बात से लय लेती  
चाहिए की आपने उसे पाने हेतु खाखोया  
होना चाहिए।

हेनरी फोर्ड का यह कथन (सफलता से  
मांग में जाने वाली असफलताओं, महिलाओं  
को प्रति सकारात्मक अखिण्डि के  
इतिहास को रेखांकित करता है।  
हमें असफलता से सफलता  
को पेना देती है; हमारी गलतियों  
को दुखाने का तथा संभलने  
संभव व समझदारी से दुखाने  
हेतु मान लेने का।

(उदा० ISRO द्वारा चंडयान 2.0 की  
असफलता के बाद अपनी गलतियों  
को दुखाने का, चंडयान 3.0 की  
सफलता प्राप्त।

अतः सज्जता, असज्जता जीवन  
 में उतार चढ़ाव में जौलोग असज्जता के  
 आने के वाक्युद धैर्य से व्युटे रहें  
 वे कर-सबेर ही लही, पर प्रकाश को  
 देख पाते हैं

3. (c) "युद्ध के समय कानून मौन रहते हैं" - सिसरो (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Laws are silent in times of war." - Cicero (Answer in 150 words)

10

सिसरो का यह मूल्य युद्ध  
के समय कानूनों की प्रासंगिकता को  
संकेतित करता है कि युद्ध में  
हम अपने हितों का ध्यान करते  
हैं, इसलिए लोग कानूनों का उल्लंघन  
करते हैं।

कानून मौन रहते हैं।

जैसे अफगानिस्तान - हाल में जापक हितों  
महिलाओं व बच्चों के साथ अत्याचार  
मानवाधिकार कानूनों, फेरिसांति समझौते तथा  
युद्ध रोकथाम हेतु जिनेवा सम्मेलन  
का उल्लंघन

कानून मौन नहीं रहते हैं।

eg: रूस - यूक्रेन युद्ध के दौरान, रूस के खिलाफ  
अंतरराष्ट्रीय आपराधिक-पायालय के गुरुत्व  
पकाना

eg: अफगान वॉर के दौरान UNSC के कानूनों  
का अनुपालन

अतः सांख्यिक मानकों  
की मायना तथा युक्तों की रोकथाम  
के वैशेषिक समुदायों को हित  
काम करने की आवश्यकता है

4. (a) अच्छा कॉर्पोरेट शासन बौद्धिक ईमानदारी से संबंधित होता है, न कि केवल नियमों और विनियमों से जुड़े रहने से। उदाहरणों के साथ व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Good corporate governance is about intellectual honesty and not just sticking to rules and regulations. Illustrate with examples. (Answer in 150 words) 10

अच्छा कॉर्पोरेट शासन ले आश्रय उन नियमों, प्रथाओं, विनियमों के पालन से है जो समाज हितधारकों को शामिल करते हुए सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाए जाते हैं - ESG अनुपालन

अच्छा कॉर्पोरेट शासन बौद्धिक ईमानदारी, ईतिवृत्त से लंचाकृत होता है।



उदाहरण - कंपनियों द्वारा

- ① ग्रीनवांशिकी प्रथाओं को न अपनाना
- ② कंपनियों द्वारा समय पर वैलेंसिटी को प्रदर्शित करना

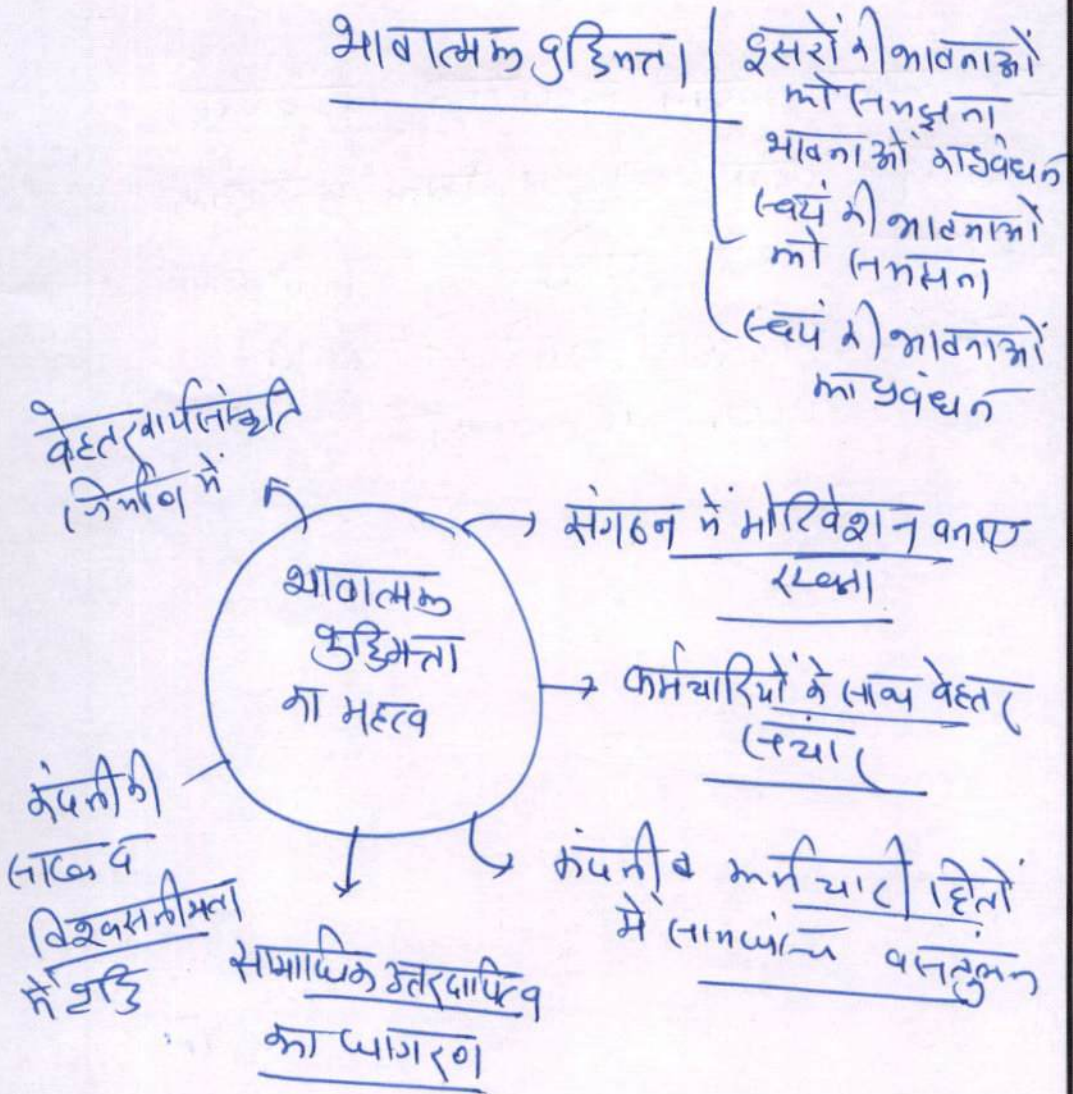
भारत में कई उदाहरण देखे जा सकते हैं।

- टाटा द्वारा ई-संग्रह अभियान
- आयीएम का उदाहरण - सामाजिक शिक्षण संस्थाओं का संचालन
- ग्रामीण शिक्षा को बढ़ावा देना

अतः मारपौरट गवर्नेस  
कंपनियों की लाभपद्धत में लाब्ज - सार्फ  
परिवरणीय व सामाजिक लाकों को भी  
महत्व देना है। कंपनियों के सभी  
अयस्धारकों का तथा हितधारकों के हितों  
को धर्ति भी करना है।

4. (b) सामान्य तौर पर, किसी संगठन में जितना ऊंचा पद होता है, भावनात्मक बुद्धिमत्ता उतनी ही अधिक महत्व रखती है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में कारण बताइए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In general, the higher a position in an organization, the more emotional intelligence matters. Do you agree with this view? Give reasons in support of your answer. (Answer in 150 words) 10



कारण → बड़े पदों पर बड़े व्यक्तियों के लिए ज़रूर बड़ी जिम्मेदारियां होती हैं अतः उन्हें व्यापक सीटियों का उकावी विधान बनाना करना होता है

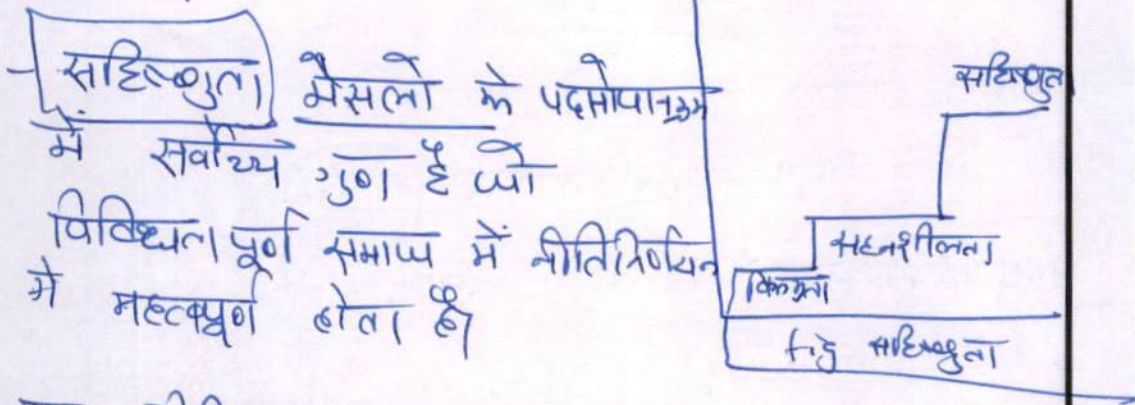
उदा० (Zomato के CEO द्वारा महिला कर्मचारियों  
के लिए मासिक धर्म हेतु 3 दिनों की  
Paid leave देना)

उदा०-2 . संगठन प्रबंधन के दौरान नेतृत्वकर्ता  
द्वारा टीम को मनोबल उत्पन्न करने  
, रखना जैसे कार्यों के लिए सीनियर्स  
को ~~उत्साह~~ प्रोत्साहित करने (अपनी टीम को  
Motivate करना)

5. (a) तटस्थता और गैर-पक्षपात के अलावा, सहिष्णुता एवं समावेशिता अन्य महत्वपूर्ण मूल्य हैं जो भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में लोक सेवकों को अधिक सक्षम बनने में मदद करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ स्पष्ट कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In addition to neutrality and non-partisanship, tolerance and inclusion are other important values that facilitate the civil servants to be more competent in a diverse country like India. Explain with suitable illustrations. (Answer in 150 words) 10

कल्याणकारी राज्य में जनहित को सर्वोपरि करने हेतु तटस्थता और गैरपक्षपातपूर्ण मूल्यों के आगे बढ़कर सहिष्णुता और समावेशिता के मूल्य लोकसेवकों हेतु अपरिहार्य होते हैं।



उदा० विविधता युक्त समाज में LGBTQ+ समुदायों को नीतिनिर्धारण में शामिल करना व उनके अधिकारों का सम्मान करना।

समावेशिता अंतिम व्यक्ति को शामिल करने की प्रक्रिया में शामिल कर, सार्वजनिक कल्याण करता है।

उदा० - वित्तीय समावेशन की नीतियों ने भारत में गरीब समुदायों तक बैंकिंग सेवाओं की पहुंच को विस्तार दिया है।

लोकसेवकों के भागद्विक रूप में साक्षरता व समावेशिता

1) नीतियों में विभिन्न इच्छाओं का प्रतिबन्धन

जैसे -  $\left\{ \begin{array}{l} \text{सकारण (उपासीत)} \\ \text{नारीवादी} \\ \text{अन्वेषकवादी} \end{array} \right.$

2) शासन में जनविश्वास बनाए रखने हेतु लचीली व नागरिक केंद्रित योजनाएं

जैसे - NEP 2020.

3) गरीबों व वंचितों के डब्यान हेतु

(eg. PDS तथा मनरेगा योजना)

4) अल्पसंख्यक समाजों के हितों का संरक्षण करने हेतु

(उदा. अक्ट 29, अक्ट 30

भाषा आधा में शिक्षा कार्यक्रम (NEP 2020)

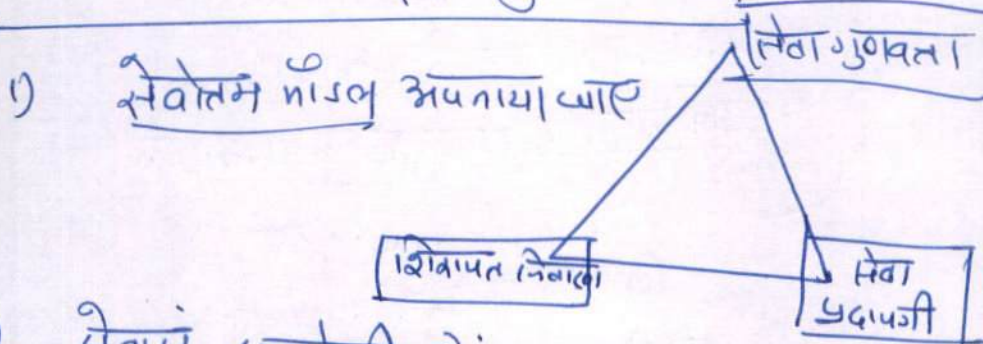
अतः प्रभावी शासन हेतु वरस्यता व  
गैरपक्षपातीकरण के अलावा मजबूत, सत्यानिष्ठा,  
साक्षरता व समावेशिता आवश्यक हैं

5. (b) सार्वजनिक सेवा वितरण के मुख्य सिद्धांत क्या हैं? भारत में प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What are the key principles of public service delivery? Discuss the challenges associated with providing effective public service delivery in India. (Answer in 150 words) 10

जो जनसंख्या वारी राज्य में सरकार  
का शासन का कार्य लोगों को अत्याचरण  
होता है जिसके लिए वह विभिन्न प्रकार की  
सार्वजनिक सेवाओं की प्रती मरती है  
( उदा० सस्ते परिवहन हेतु रेलवे सेवा,  
मेट्रो सेवा )

सार्वजनिक सेवा वितरण के मुख्य सिद्धांत:



2) सेवाएं समावेशी हों

( उदा० PM जनकन योजना,  
ENAM परिष्कार )

3) सेवाएं लचीली के गुणवत्तापूर्ण हों

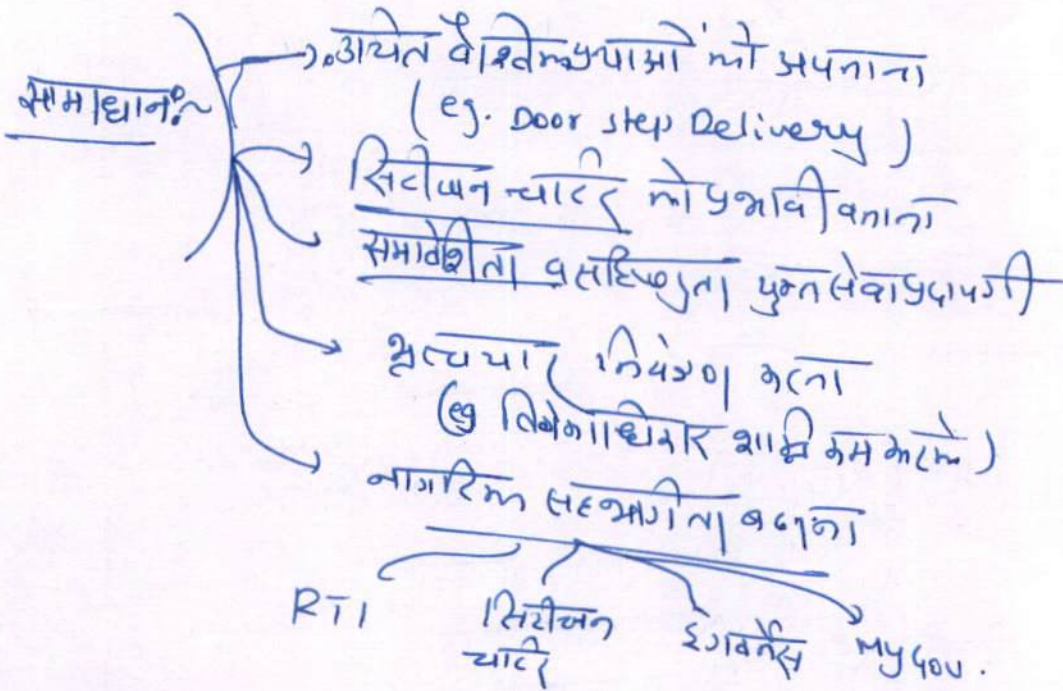
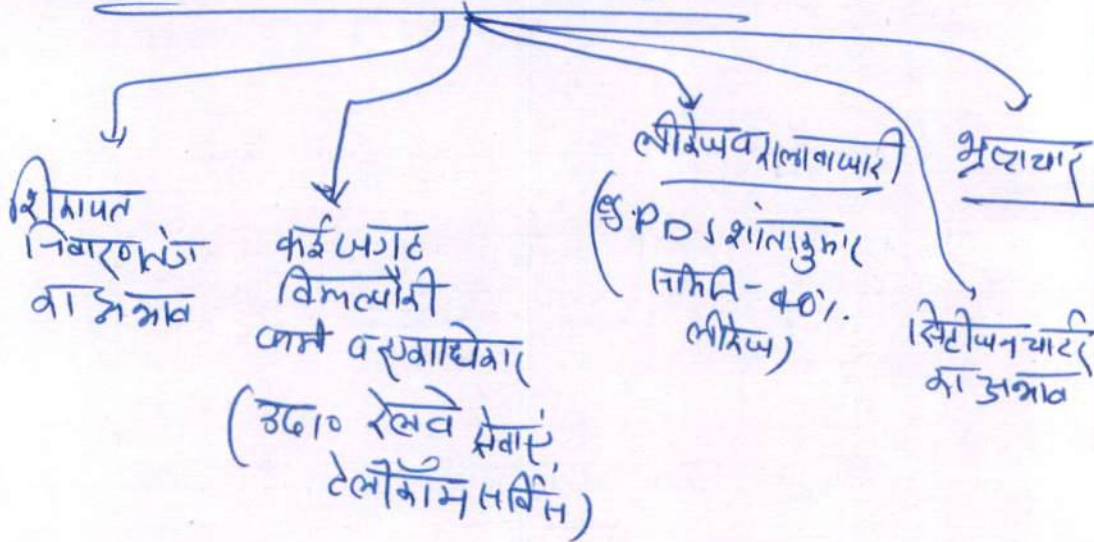
4) उचित चयन के विनियमन लक्ष्य हों

( उदा० टेलीकॉम सेवाएं, BSNL, Airtel, Ji'o )

5) लागत प्रभावी व कल्याणकारी हों

( उदा० PDS वितरण सेवा )

## प्रभावी सेवा वितरण के समझ पुर्नर्निर्माण



ज्ञान: सेवा वितरण करते समय सरकारी व लोकसेवकों को वार्ड की psychology का ध्यान रखना चाहिए।

6. (a) जब संघारणीय विकास के प्रति अभिवृत्तिक परिवर्तन की बात आती है, तो व्यवहारिक प्रेरणा ही आगे की राह है। उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

When it comes to attitudinal change towards sustainable development, behavioural nudges are the way forward. Illustrate with examples. (Answer in 150 words) 10

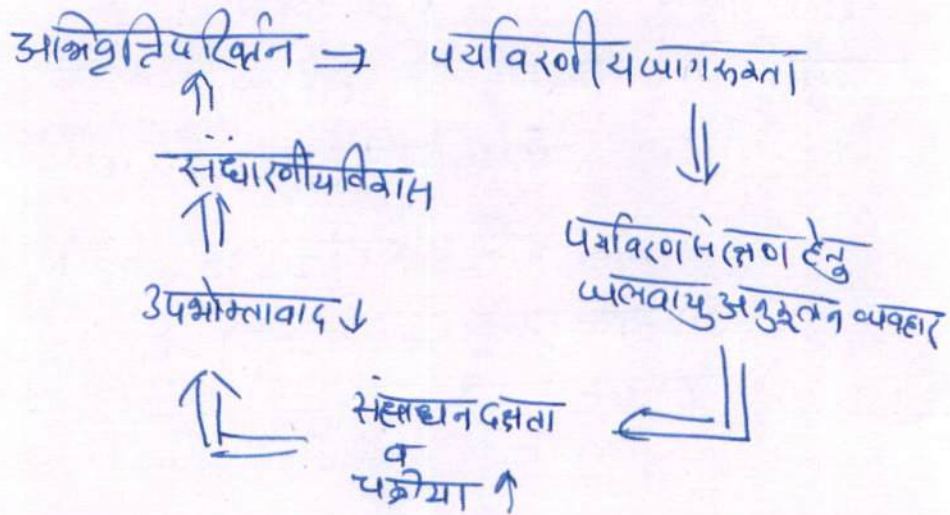
संघारणीय विकास से आवाय  
कौमान पीढ़ियों को बदलना ही बुरा करते हुए  
भविष्य को पीढ़ियों हेतु जस्ताखन संरक्षणमेठी  
हालांकि कौशल ताल पर  
समाज द्वारा उपभोगवादी संस्कृति तथा नकारात्मक  
अभिवृत्तियों से विकास से संघारणीयता पर  
खतरा उत्पन्न हुआ है।

व्यवहारिक प्रेरणा, किसी भी अभिवृत्ति  
परिवर्तन को जल्द अपनाया जाने वाले सामाजिक  
मनोवैज्ञानिक चक्र है।

(उदा. यदि किसी शादी में आयोजक यदि  
को रोकना है तो हमें थाली या परोसे  
जाने वाले वर्तन को आत्मतु कौशल  
कर देना उचित होगा।

(2). अभिवृत्ति परिवर्तन हेतु अनुगमन प्रक्रिया को  
अपनाकर Nudging परिवर्तन किया जाया चाहिए  
(उदा. स्वच्छ जीवन को अपनाने हेतु प्रधानमंत्री  
Life मिशन हेतु अपील।)

नोट: संघारणीय परिवर्तन हेतु Nudging  
तथा आक्रोशित्व परिवर्तन रणनीतियां महत्वपूर्ण हैं



नोट: सतत विकास लक्ष्यों की  
प्राप्ति हेतु पर्यावरण अनुक्रमण प्रयासों को अपनाना  
होगा। जिसके लिए पर्यावरणीय जागरूकता  
मसूरी है

6. (b) मदर टेरेसा के जीवन से क्या सबक सीखा जा सकता है? समकालीन विश्व में उनकी प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दें)

What lessons can be learnt from the life of Mother Teresa? Discuss their relevance in the contemporary world. (Answer in 150 words) 10

मदर टेरेसा मानवजाति के प्रति सेवा भाव हेतु दुनियाभर में जानी जाती हैं उनके इन भावों हेतु नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।  
(उदा० राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान धरमल भारतीयों की मदद करना)

मदर टेरेसा जीवन सीख | प्रासंगिकता

1) सेवा भाव व समर्पण

दुर्वाचियों से उच्चांग गरीबी उन्मुक्तन तथा लैंगिक-पाय की व्यापन हेतु महत्वपूर्ण

2) सहिष्णुता

(इस ईदोते हुए भी सभी धर्म के लोगों की सेवा)

3) विविधतापूर्ण समाज में हिंसा, साम्यवादिता को रूप (मानव सेवा) को सर्वोपरि रखना

3) अत्यपरायणता

(क्या सेवा ही अत्यपरायण है)

लौकिकसेवकों को तथा उपभोक्तावादी व व्याप्तवादी विरुद्ध है, अपने मानव जीवन में कल्याण के प्रति जागरूक होने की प्रेरणा

समसामयिक विचारों के अन्तर्गत में  
 अर्थशास्त्र, जैम, सद्युक्त नै मूल्य 'दरिद्रता' का उन्मूलन तथा सामाजिक शांति, सद्भाव, सद्भावना एवं आवश्यकता भाव से 'कल्याण' है तथा निष्कामकर्म की पूर्ति  
 है मनु के लिए या जीवन अनुकूल है

## खंड B / SECTION B

निम्नलिखित प्रश्नों में प्रस्तुत प्रकरणों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. आप एक ऐसे शहर के पुलिस अधीक्षक हैं, जहां के किसी मंदिर में एक प्रमुख धार्मिक उत्सव आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में दस लाख से अधिक तीर्थयात्रियों के शामिल होने की संभावना है, जो मंदिर की अवसंरचनात्मक क्षमता से कहीं अधिक है। व्यापक योजना और एहतियाती उपायों के बावजूद, मुख्य मंदिर के प्रवेश द्वार के पास अचानक भीड़ उमड़ने से भगदड़ मच गई, जिससे कई लोग हताहत हुए और अनेक लोग घायल हो गए। स्थिति इतनी अधिक गंभीर हो गई कि मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं में दहशत फैल गई है।

इस जटिलता को और गंभीर बनाते हुए, व्हाट्सएप ग्रुप और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी खबरें तेजी से प्रसारित हो रही हैं, जिसमें भगदड़ को सांप्रदायिक झड़पों से जोड़कर दिखाया जा रहा है। ये फर्जी खबरें आम जनता में व्यापक दहशत पैदा कर रही हैं और इनसे जिले में सांप्रदायिक दंगों के भड़कने का खतरा उत्पन्न हो गया है।

पुलिस अधीक्षक के रूप में, आप स्वयं को इस संकट के केंद्र में पाते हैं, जहां आपके सामने भगदड़ के तत्काल बाद की स्थिति को संभालने तथा संभावित रूप से खतरनाक गलत सूचनाओं के प्रसार को रोकने की दोहरी चुनौती विद्यमान है।

(a) इस मामले में शामिल प्रमुख हितधारकों की पहचान कीजिए।

(b) स्पष्ट कीजिए कि आप एक पुलिस अधीक्षक के रूप में, भगदड़ की स्थिति से निपटने और सोशल मीडिया के माध्यम से फर्जी खबरों के प्रसार को रोकने के लिए क्या उपाय अपनाएंगे।

(c) चर्चा कीजिए कि इन उपायों को लागू करते समय, विशेष रूप से सार्वजनिक सुरक्षा तथा व्यक्तिगत अधिकारों एवं धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन बनाने के लिए, आपको किन नैतिक बातों को ध्यान में रखना चाहिए। (उत्तर 250 शब्दों में दें)

You are the Superintendent of Police in a city hosting a major religious festival at a temple. The event is expected to attract over a million pilgrims, far exceeding the temple's infrastructure capacity. Despite extensive planning and precautionary measures, a sudden crowd surge near the main shrine entrance has resulted in a stampede, causing multiple casualties and numerous injuries. The situation has escalated, with panic spreading among the devotees present at the temple.

Adding to the complexity, instances of fake news are rapidly circulating through WhatsApp groups and social media platforms, falsely attributing the stampede to communal clashes. This misinformation is causing widespread panic among the general public and threatens to ignite communal riots in the district.

As the Superintendent of Police, you find yourself at the center of this crisis, faced with the dual challenge of managing the immediate aftermath of the stampede and countering the spread of potentially dangerous misinformation.

- (a) Identify the key stakeholders involved in this case.
- (b) Explain the measures you, as the Superintendent of Police, will take to address the stampede situation and curb the spread of fake news through social media.
- (c) Discuss the ethical considerations you must keep in mind while implementing these measures, particularly in balancing public safety with individual rights and religious sentiments. (Answer in 250 words) 20

उपरिष्ठ 'मस हदुदी' हानय तं हो

रही हिसा, दुर्घटना तथा आमल खबरों को पसार से सामुदायिक तनाव को उत्पन्न नो रेखांकित करती है। धार्मिक त्यजों पर होने वाली अज्ञात से लोगों के धायल तथा मृत्यु होने पर जैसी अवस्थाय के रूप में हम पुलिस अधीक्षक के रूप में मेरी क्षमताओं का प्रयोजन करती है।

नियम व

हितधारक

हित

1) मैं (अधीक्षक के रूप में)

→ कानून व्यवस्था को बनाये रखना तथा लोगों की सुरक्षा

2) लोग (अज्ञान के रूप में)

→ अपनी श्रद्धा पूरी करना तथा प्रजा करना (Art 25)

3) मंदिर (प्रशासन)

→ मंदिर में लोगों की श्रद्धा का सम्मान व भूषण करने के आद्येना (हलु शान्तिपूर्व व्यवस्था प्रवर्धन)

4) ~~व्यवस्था~~ मीडिया

→ मीडिया तथा सोशल मीडिया द्वारा अमृत्यु को दुष्प्रकार प्रसारित करने जैसा नो (Art 19)

5) अंतर्माध्यमिक तंत्र

→ खतरा भवला अवस्थाय प्रवर्धन

6) चायल समाज

→ मुसीबतों से बचाना, सामुदायिक हितों को ध्यान में रखना

Ans b). (तात्कालिक आय)

- 1) लोगों से शांति तथा व्यवसाय बनाने की अपील
- 2) मंदिर (उदाहरण के तौर पर लखनऊ) के लिए मंदिर को नियंत्रित करने का प्रयास (उदा. कुछ देर के लिए मंदिर (वेदक देना)
- 3) धारकों को अत्याचार पट्टाना
- 4) आम जनता को खोज, मरना तथा मामलों की स्पष्ट जानकारी मीडिया के माध्यम से रखना
- 5) मैं स्वयं तथा मंदिर के पुजारियों को साथ लेकर एक वीडियो बनाऊंगा तथा संपूर्ण धरना के भी स्थिति से लोगों को अवगत करूंगा तथा अपने क्लिप के मीडिया पेज पर इस जानकारी को अपलोड करूंगा
- 6) मैं अपने हेडक्वार्टर की तकनीकी टीमों तथा सोशल एक्सपर्ट टीमों को गठन करके आम जनता को खोजने वाले अनाउंस को देकर करके का निर्देश दूंगा तथा कठोर वातावरण में दूंगा
- 7) सूची खोज करने वाले को पकड़वाने पर अत्याचार तथा आर्थिक फंड का भय दिखाऊंगा

द्वैधव्यवहारिक उपाय -

- 1) मंदिर प्रशासन से बात करते, मंदिर परिसर में सीमित संख्या में लोगों को जाने की संख्या निर्धारित करना।
- 2) लोगों से एक साथ अधिक भीड़ में न आने की अपील करना (अगर लोगों को पुरानी भगवद् की धरनाओं व प्रश्नान से अवगत करना)
- 3) मंदिर में सुरक्षा बलियों की संख्या बढ़ाना।
- 4) मंदिर में आत-पास एम्बुलेंस की व्यवस्था।

Answer (c).

उपरोक्त उपायों को अपनाते समय में यह ध्यान रखना।

- 1) लोगों को धार्मिक आधिका (Act 25) पर अधिकृत सीमा में न लगायी जाए।
- 2) मंदिर में हिलों की प्रति हेतु ~~अ~~ समेपारिमा में ज्यादा सुरक्षा बलियों की तैयारी उपयुक्त रही।
- 3) सर्वव्यापक सुरक्षा, जिला पुलिस प्रशासन का माप है का हेतु में भीड़ नियंत्रण।

करने हेतु AI द्वारा विवेक तकनीक का  
उपयोग करना

- ④. मंदिर परिषद में CCTV कैमरे लगाना
- ⑤. साइबर सुरक्षा सेट, साइबर सेल कागजों  
आगत खबरों को रोकने हेतु
- ⑥. मीडिया संस्थानों तथा सोशल मीडिया कंपनियों  
को आगत खबरों की संश्लेषण हेतु विमोड  
तय करना ।
- ⑦. पब्लिक सुरा आगमता को बढ़ावा देना

अतः सार्वजनिक जीवन में अपने  
केतव्यों का निर्वहन करते समय ऐसी  
घटनाओं का सामना करना पड़ता है।  
ऐसे समय विवेक व धैर्य से काम लेना चाहिए।

8. प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता रवि शर्मा एक प्रमुख बोतलबंद पानी की कंपनी द्वारा प्रस्तावित लाभकारी विज्ञापन अनुबंध को लेकर नैतिक दुविधा में फंस गए हैं।

हालांकि, बोतलबंद पानी की कंपनी शराब के एक प्रमुख ब्रांड की सहायक कंपनी है और पानी की बोतलों पर भी वही ब्रांडिंग की गई है जो शराब उत्पादों पर की गई है। विज्ञापन अभियान एक स्वस्थ उत्पाद को बढ़ावा देने की आड़ में शराब ब्रांड की छवि को मजबूत करने के लिए बनाया गया है।

रवि को अपनी सामाजिक रूप से जिम्मेदार छवि और स्वस्थ जीवन का समर्थन करने के लिए जाना जाता है। वह शराब के हानिकारक प्रभावों के बारे में अच्छी तरह से अवगत हैं, क्योंकि शराब से संबंधित बीमारी के कारण उनके परिवार के एक सदस्य की मृत्यु हो गई थी। हालांकि, इस विज्ञापन अनुबंध से मिलने वाला वित्तीय लाभ काफी अधिक है और यह रवि के परोपकारी कार्यकलापों, विशेषकर वंचित समुदायों को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की उसकी पहलों को काफी हद तक समर्थन प्रदान कर सकता है।

यह स्थिति रवि को दुविधा में डाल देती है, जहां उसे दो विकल्पों में से किसी एक विकल्प अर्थात् वह अप्रत्यक्ष रूप से शराब के सेवन को बढ़ावा देने वाले अनुबंध को स्वीकार कर सकता है या फिर नैतिक आधार पर उसे अस्वीकार कर सकता है, जिससे उसे अपने परोपकारी कार्यों के लिए बड़ी धनराशि से हाथ धोना पड़ सकता है, का चयन करना पड़ेगा।

- (a) रवि द्वारा बोतलबंद पानी के उत्पाद का विज्ञापन करने के निर्णय में कौन-से नैतिक मुद्दे शामिल हैं?
- (b) सेलिब्रिटी विज्ञापनों के व्यापक निहितार्थों तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य और उपभोक्ता व्यवहार पर उनके प्रभावों की चर्चा कीजिए।
- (c) रवि जैसी लोक हस्तियां विज्ञापन उद्योग में नैतिक व्यावसायिक कार्यपद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए अपने प्रभावशाली व्यक्तित्व का उपयोग कैसे कर सकती हैं? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Ravi Sharma, a renowned movie actor, finds himself in an ethical dilemma regarding a lucrative endorsement deal offered by a prominent bottled water company.

However, the bottled water company is a subsidiary of a major alcohol brand, and the water bottles carry the same branding as the alcohol products. The advertising campaign is designed to reinforce the alcohol brand's image under the guise of promoting a healthy product.

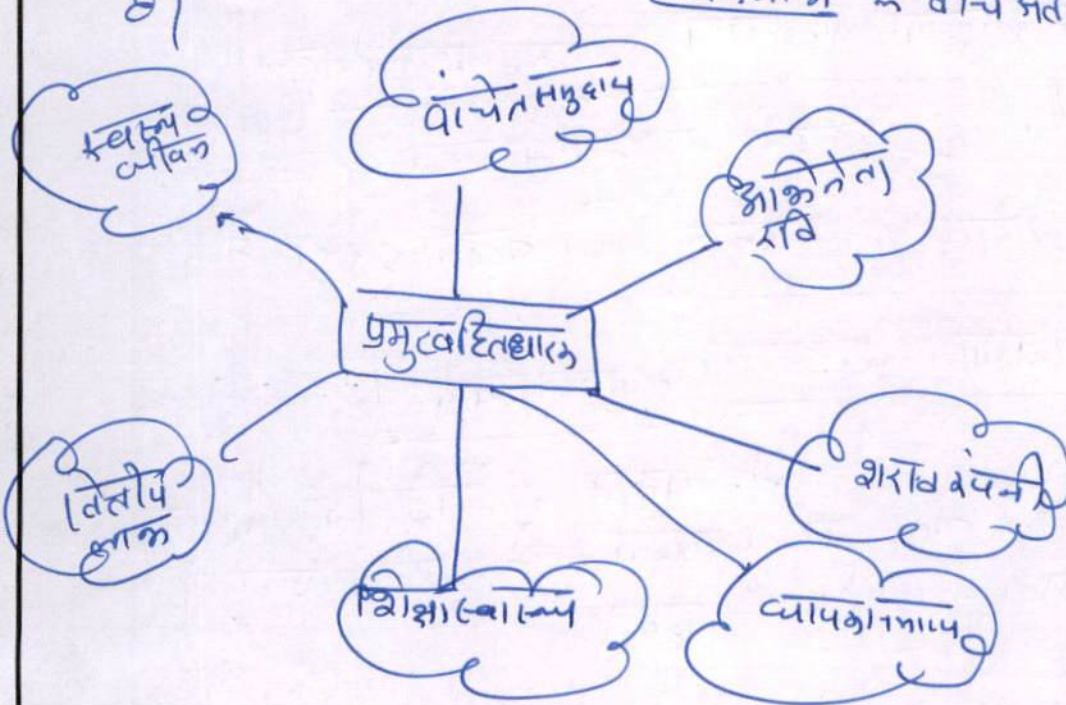
Ravi is known for his socially responsible public image and advocacy for healthy living. He is deeply aware of the harmful effects of alcohol, having lost a close family member to an alcohol-related illness. However, the financial reward from this endorsement deal is substantial and could significantly support Ravi's philanthropic activities, particularly his initiatives for providing education and healthcare to underprivileged communities.

This situation places Ravi at a crossroads, forcing him to choose between accepting a deal that could indirectly promote alcohol use and rejecting it on ethical grounds, potentially foregoing significant funding for his charitable work.

- (a) What are the ethical issues involved in Ravi's decision to endorse the bottled water product?

- (b) Discuss the broader implications of celebrity endorsements and their influence on public health and consumer behaviour.
- (c) How can public figures like Ravi use their influence to promote ethical business practices in the advertising industry? (Answer in 250 words) 20

उपर्युक्त मॉडल (टी) अभिनेताओं को विज्ञापन अनुबंध साइन करते समय जाने वाले नैतिक इव से लंबाई है। अभिनेता अपने स्टारडम का उपयोग करके व्यापक समाज को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। अतः यहाँ रवि ने अपने सांख्यिकीक समाज तथा माइक्रोपार्व का विज्ञापन करके संप्रदाय धनभाज से बीच अंतर है।



अनु (क) **नैतिक मुद्दे**

1) स्वहित प्रसारणिक हित, वह विज्ञापन करके पैसा कमा सकता है जिसका उपयोग परोपकारी कार्य हेतु कर सकता है।

② साधन - साध्य का अनुपात → 'अंत भला तो सब भला'  
 क्षमता पैसों का उपयोग यह शिक्षा स्वास्थ्य तथा  
 वंचितों के उत्थान में कर सकता।

③ कंपनी लाभप्रदता vs सामाजिक उत्तरदायित्व : कंपनी  
 अपने लाभ के लिए सामाजिक जिम्मेदारियों की  
 उपेक्षा कर रही

④ वीचैत समुदायों का उत्थान vs मादक पदार्थों को बढ़ावा  
 → यह वंचितों का उत्थान करने के साथ-साथ  
 शराब में प्रचलन को बढ़ावा दे रहा है

⑤ सार्वजनिक स्वास्थ्य vs जनविश्वास

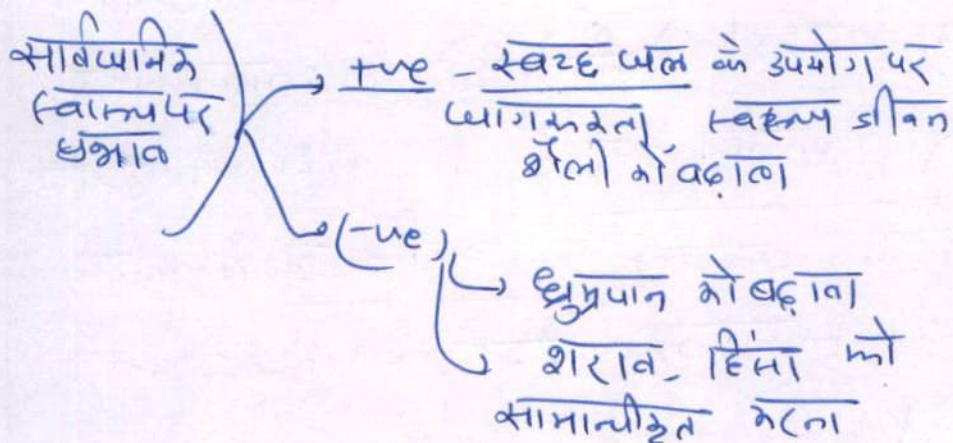
→ सो जनता सेलिब्रिटी पर विश्वास  
 करती है अतः उसे स्वास्थ्य क्षति वाले उत्पादों को  
 बढ़ावा नहीं देना चाहिए।

Ans (b). सेलिब्रिटी अपने व्यापक राईसिंग नाम  
 में बड़े ब्रांड तक पहुंच रखते हैं उनसे  
 बड़ा बिक्रय गैर विश्वासियों में व्यापक निहितार्थ  
 होता है।

उपक्रमों के व्यवहार पर प्रतिबन्ध +  
उदा० समारम्भक निहितार्थ

① ६ वेड में, टॉयलेट एक उपक्रम, परवाया  
बंद, यही फिल्मों द्वारा भारत में स्वदेशी  
उद्योगों को तीव्र किया गया

② नमारम्भक निहितार्थ (उदा० फिल्मों में दिव्याचे जाने  
वाले सुप्रसन्न उत्पादों का युवाओं में बढावा/प्रचार)



अनु (C) . सार्वजनिक हितों के लिए आवश्यक पद्धतियों  
को अपनाने हेतु अपने-अपने-अवश्यात्मक आवश्यकताओं का उपयोग कर सकते हैं -

- 1) कंपनियों के आवश्यक विज्ञानों की मनाही करने
- 2) कंपनियों के साथ विज्ञान साइन करने से पहले उनके  
(वास्तव, पर्यावरणीय तथा उपक्रमों के प्रभावों का  
व्यापक अध्ययन व निरीक्षण  
(उदा० दही का नै फिल्मों द्वारा पानमसालों का  
विज्ञान की मनाही)

3). उपभोक्ताओं से (वास्तव्य जीवनशैली) तथा  
वास्तव्य लाभ वाले उत्पादों में उपयोग की  
अपील

(उदा० बीलायिक पदक विजेताओं द्वारा, अमूल दही, स्वच्छ दही  
का प्रचार करना)

अतः कंपनियों को अपने लोगों  
के साम-साम्य व्यापक सामायिक उदारवाचित्व की  
मिमाता चाहिए। सेलीब्रिटीयों को सामाय व्यापक  
प्रार व सम्मान देना है अतः उनका भी यत्न  
करना है उन्हें कार्य लाभ से ज्यादा  
व्यापक सामायिक हितों में ध्यान देना  
चाहिए।

9. आप एक कृषि प्रधान जिले में जिला मजिस्ट्रेट के पद पर नियुक्त हैं। हाल ही में, इस क्षेत्र में बेमौसम वर्षा हुई है, जिससे फसलों को अत्यधिक क्षति हुई है और किसान समुदाय भी संकट के कगार पर पहुंच गया है। खाद्यान्न खरीद प्रणाली में व्यापक भ्रष्टाचार के कारण स्थिति और भी गंभीर हो गई है।

आपको किसानों से अनाज खरीदने वाले गोदामों में व्यापक कदाचार की रिपोर्टें मिली है। इन भ्रष्ट गतिविधियों में खरीद प्रक्रिया में जानबूझकर विलंब करना, तौल के पैमानों में हेरफेर करना, मनमाने तरीके से गुणवत्ता को अस्वीकार करना और हताश किसानों से रिश्वत की मांग करना शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप, किसानों को अत्यधिक वित्तीय हानि हुई है, कई किसान तो अपना लागत मूल्य भी वसूल नहीं कर पा रहे हैं।

कई किसान अपनी उपज बेचने में असमर्थ हैं जबकि अन्य न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) से बहुत कम कीमत पर अपनी उपज बेचने के लिए विवश हैं। इससे कृषक समुदाय के लिए वित्तीय संकट उत्पन्न हो गया है।

आपको इस जटिलता को और अधिक गंभीर बनाने वाली एक रिपोर्टें मिलती हैं जिससे पता चलता है कि कुछ स्थानीय राजनेता और प्रभावशाली व्यवसायी इन भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल हैं और किसानों की दुर्दशा से लाभ उठा रहे हैं। यदि तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो संभावित किसान विरोध प्रदर्शनों एवं आंदोलनों के शुरू होने की भी अफवाहें हैं।

जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपके सामने तात्कालिक संकट और इस स्थिति को जन्म देने वाले प्रणालीगत मुद्दों जिनके कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है, दोनों से निपटने की चुनौती है।

(a) इस मामले में शामिल प्रमुख हितधारकों और उनके संबंधित हितों की पहचान कीजिए।

(b) प्रभावित कृषक समुदाय को राहत प्रदान करने के लिए आपके द्वारा अपनाए जाने वाले तात्कालिक उपायों पर चर्चा कीजिए।

(c) आपके द्वारा चुने गए उपाय को क्रियान्वित करते समय आपके समक्ष आने वाली नैतिक दुविधाओं पर चर्चा कीजिए तथा स्पष्ट कीजिए कि आप उनसे कैसे निपटेंगे। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are posted as the District Magistrate in a predominantly agricultural district. Recently, the region has been hit by unseasonal rainfall, causing severe crop damage and pushing the farming community to the brink of crisis. The situation is further exacerbated by widespread corruption in the food grain procurement system.

You have received reports about rampant malpractices in the warehouses responsible for procuring food grains from farmers. These corrupt practices include deliberate delays in the procurement process, manipulation of weighing scales, arbitrary quality rejections, and demands for bribes from desperate farmers. As a result, farmers are facing significant financial losses, with many unable to recover even their input costs.

Many farmers are unable to sell their produce, while others are forced to sell at prices far below the Minimum Support Price (MSP). This has led to financial distress for the farming community.

Adding to the complexity, you have received reports suggesting that some local politicians and influential businessmen are involved in these corrupt practices, benefiting from the farmers' misery. There are also rumors of potential farmer protests and agitations if immediate action is not taken.

As the District Magistrate, you are faced with the challenge of addressing both the immediate crisis and the systemic issues that have led to this situation.

- (a) Identify the key stakeholders involved in this case and their respective interests.
- (b) Discuss the immediate measures you will take to provide relief to the affected farming community.
- (c) Discuss the ethical dilemmas you might face while implementing your chosen course of action and how you would navigate them. (Answer in 250 words) 20

उपर्युक्त प्रकार आपदाओं में  
कारण अपने कृषि संकट से जुड़ा है जिसका लक्षण  
उदाहरण मछली मरिचारी, रायनेला, मूल्ड आदिवासी  
वैदेशी किसानों की फसल की लूट पर रहे हैं  
तथा कृषि मांग का संकट पैदा करने अतिरिक्त  
धन कमाने हेतु मूल्डार में शामिल हैं।

Ans (a)

हितधारक	हित
① किसान -	<ul style="list-style-type: none"> <li>कृषि की कमी, फसल संकट से अपनी वित्तीय कठिनाई तथा मूल्डार फसल का उचित दाम न मिलना → किसान अपने प्रति-पाय चाहते हैं</li> </ul>
② जिला अधिकारी	<ul style="list-style-type: none"> <li>कृषि फसलों का उचित दाम प्रभावित किसानों से ताब-पाय</li> <li>किसानों के विरोध प्रदर्शनों को रोकना</li> <li>मूल्डारियों पर कठोर कार्रवाई करना</li> </ul>

राज्य सेवा व मंत्री  
अभिचारि

→ कृत्रिम मांग पैदा करके, आपदा को  
अवसर में बदलना, अनुचित लाभ  
कमाना

उपभोग

→ कामलवर्दी से महंगी वस्तुओं को  
खरीदना पर रहा है अतः  
DM से उचित कार्रवाई की अपेक्षा

राज्य सरकार

खाद्यान्न उपाली हेतु अनाज प्राप्ति  
किसानों को MSP मुहैया  
कराना

Any (b). किसानों को राहत प्रदान हेतु भेरे  
द्वारा अपनाए जाने वाले उपाय

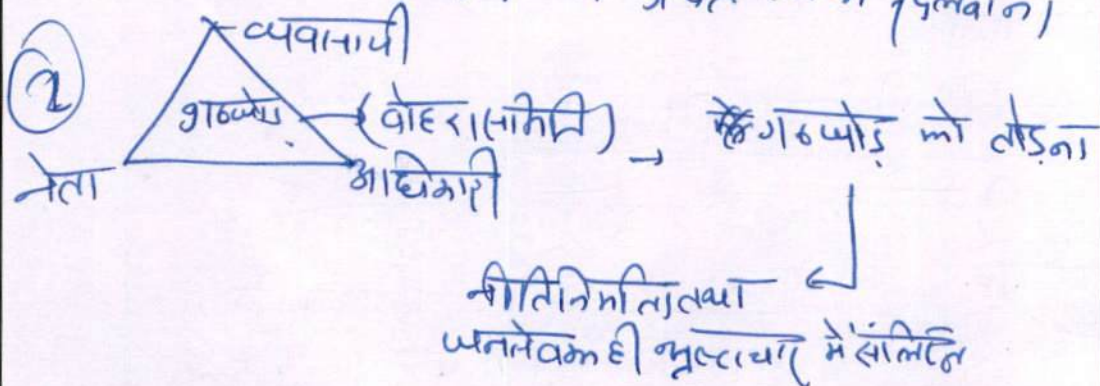
- (1) आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करना
- (2) क्षेत्रीय अधिकारियों तथा संबंधित लेखपालों  
को उचित आश्वासन लगाना तथा कामल वर्दी का  
अनुमान लगाने का आदेश
- (3) मंत्री ने भ्रष्टाचारियों से खिलाऊ कार्रवाई  
कर किसानों को कामल को उचित रूप  
दिलवाना
- (4) प्रधानमंत्री कामल की भाषा वीथना के तहत वंचितों  
से किसानों को पुआवपा दिलवाना
- (5) किसानों को MSP पर खरीद सुनिश्चित करण  
हेतु अतिरिक्त ताल कवियों तथा प्रांतो (बुला) की  
व्यवस्था करना

दीर्घकालिक उपाय

- 1. किसानों को समलक्षित हेतु प्रोत्साहन देना
- 2. किसानों को अपनी उपाय ENAM पर बेचने हेतु प्रोत्साहित
- 3. किसानों की भाप सुझा हेतु समलक्षित विधिवत अपानाने की अपील देना
- (4). श्रद्धा चारियों के खिलाफ पंच बैठाना
- (5). सही परिणाम में भाप, लान, कर, मजदूरी का व्यवस्था विवरण लगवाना तथा अनुचित करों तियों क मजदूरी कार्ड पर आधार अलग

अथ (C). नीतिकदुविचारें

- (1) MSP की लीगल गारंटी न लेने पर सभी कृषकों की समले MSP पर खरीदना मुंबिकम है तथा किसानों को उपाय का अचित लाभ दिलवाना



③. किसानों को अचित मूल्य देना तथा उपभोक्ताओं को ताली दरों पर खाद्यान्न उपलब्ध करवाना

④. मजदूरी कमियों के लाभ हित तथा किसान हितों में सामंजस्य बनाना

⑤. किसानों द्वारा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन नियंत्रण के उपाय →

1) APMC मजदूरी एक्ट का उन्मादी त्रिपरचयन

2) अल्पाधिकारियों की रिपोर्टों का सफ़ाकारिवाही

3) लक्ष्यदाक को जिलों से तथा FCI गोदामों से अतिरिक्त अनाज की आपूर्ति सुनिश्चित करना

अपने कार्यात्मिक जीवन में ऐसी स्थितियों का सामना करना पड़ा है। लोकसेवक अपनी अंतरात्मा व कर्तव्यनिष्ठा को ध्यान में रखकर अचित निर्णय लेना चाहिए।

10. हाल ही में एज़्टैक के इंडिया डिवीजन के प्रमुख के रूप में नियुक्त श्री वी, कंपनी के शिशु आहार उत्पादों के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण नैतिक दुविधा का सामना कर रहे हैं। हाल ही में, यह बात लोगों के ध्यान में आई है कि भारत में एज़्टैक के शिशु उत्पादों में एक बार के आहार के रूप में दी जाने वाली मात्रा में लगभग 3 ग्राम शर्करा की मात्रा होती है, जबकि जर्मनी और ब्रिटेन जैसे अमीर देशों में इसी तरह के उत्पादों में कोई अतिरिक्त शर्करा की मात्रा नहीं होती है। एज़्टैक ने इस प्रथा का बचाव करते हुए कहा है कि चीनी की मात्रा स्थानीय नियमों के अनुरूप है। हालांकि, इन उत्पादों पर पोषण संबंधी जानकारी में अतिरिक्त शर्करा के बारे में विवरण का उल्लेख नहीं है।

इस खुलासे ने नागरिक समाज, गैर सरकारी संगठनों (NGOs) और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की तीखी प्रतिक्रिया को जन्म दिया है, जिनका तर्क है कि शिशु उत्पादों में शर्करा की अतिरिक्त मात्रा खतरनाक और अनावश्यक है। आलोचना के बढ़ने से एज़्टैक की प्रतिष्ठा और बाजार में इसकी स्थिति खतरे में पड़ गई है।

श्री वी को एक गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ता है। इन शिशु उत्पादों को बाज़ार से हटाने से कंपनी को काफी वित्तीय क्षति हो सकती है, जिससे संभावित रूप से कर्मचारियों की छंटनी हो सकती है और यहां तक कि कंपनी के बंद होने की संभावना भी हो सकती है, क्योंकि कंपनी की वित्तीय स्थिति पहले से ही खराब है। वरिष्ठ प्रबंधन उन पर दबाव बना रहा है कि वे इस मुद्दे का समाधान कंपनी के लाभ को प्रभावित करने वाले किसी बड़े परिवर्तन के बिना करें।

- (a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- (b) उपर्युक्त स्थिति में श्री वी के लिए उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए।
- (c) श्री वी के लिए उपर्युक्त में से कौन-सा विकल्प सर्वाधिक उपयुक्त होगा और क्यों? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Mr. V, recently appointed as the head of Aztack's India division, faces a significant ethical dilemma regarding the company's baby food products. Recently, it has come to public attention that Aztack's baby products in India contain nearly 3 grams of sugar per serving, while similar products in wealthier nations like Germany and the UK have no added sugar. Aztack defends this practice, stating that the sugar levels comply with local regulations. However, the nutritional information on these products omits details about added sugars.

This revelation has sparked backlash from civil society, NGOs, and health experts, who argue that added sugar in baby products is dangerous and unnecessary. The criticism is growing, putting Aztack's reputation and market position at risk.

Mr. V faces a serious challenge. Removing these baby products from the market could result in significant financial losses for the company, potentially leading to employee layoffs and even the possibility of the company shutting down, given its already precarious financial state. The senior management is pressuring him to resolve the issue without making drastic changes that could affect the company's profit.

- (a) Discuss the ethical issues involved in this case.
- (b) Evaluate the options available to Mr. V in the above situation.
- (c) Which of the above would be the most appropriate option for Mr.V and why? (Answer in 250 words)

20

उपरोक्त बात लड़ी हाल ही में  
शिक्षकों के बूझ बनाने वाली कंपनियों के  
बद में अनुचित माता में शक्ति की आर्थिक  
माता पाये जाने से जुड़ी है, जो कंपनी  
के द्वारा डिजिटल के मुख्य के रूप में मेरी  
जिसे शक्ति मा - अवलोकन वाली है



### अनु (10) नैतिक मुद्दे

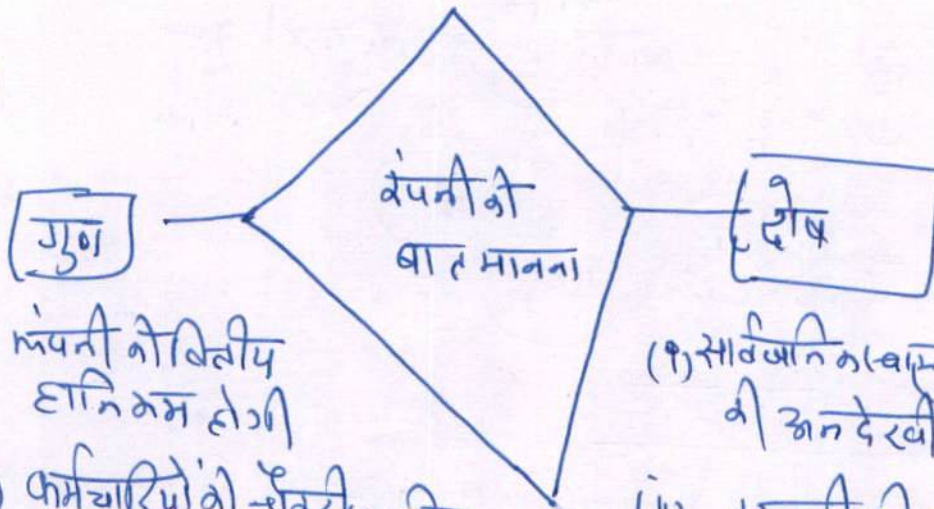
- 1). शिक्षकों का व्यापक व कंपनी हित - कंपनी के उत्पाद से शिक्षकों के व्यापक का खतरा
- 2). नागरिक व्यापक, N40, डॉक्टर व उत्पाद - प्रमुख विशेषताओं ने अपनी व्यापक में उत्पाद की गुणवत्ता खराब बनाई है
- 3). अंतर्राष्ट्रीय अवस्था व व्यापक अवस्था - कंपनी के अन्य देशों के उत्पाद में चीनी नहीं मिलाई है

(4) कंपनी लाभप्रदता vs कर्मचारी हितों :- कंपनी की वित्तीय स्थिति ठीक रही है वरिष्ठाई होने पर वेरोपगारी उत्पन्न हो सकती है

(5) कंपनी की वित्तीय स्थिति vs व्यापक लाभ :- सार्वजनिक (बाल्य को परीक्षा) का महत्वपूर्ण

अथ (b) उपलब्ध विकल्प समुच्चय

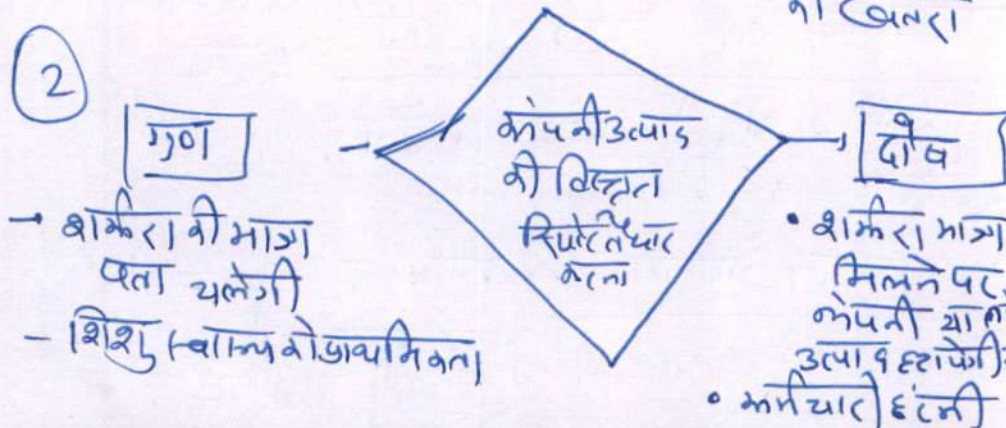
(1)



- (i) कंपनी की वित्तीय स्थिति कम होगी
- (ii) कर्मचारियों को शंका सुरक्षित
- (iii) मेरी जाँच सुरक्षित

- (i) सार्वजनिक बाल्य की अनदेखी
- (ii) कंपनी की स्थिति
- (iii) कर्मचारी हितों का खतरा

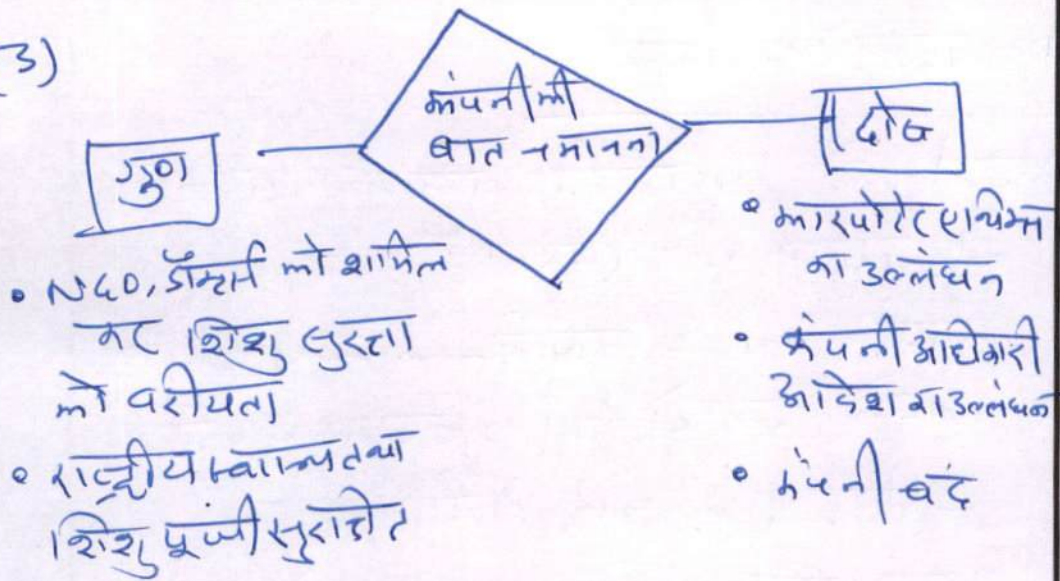
(2)



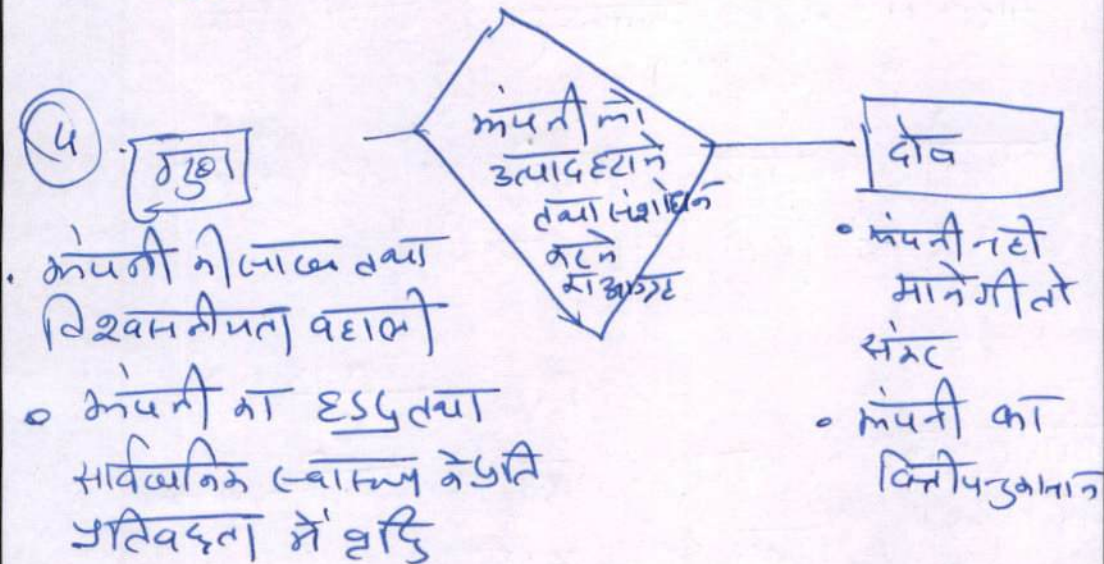
- शर्करा की मात्रा कम चलेगी
- शिशु (बाल्य को) जायमिकता

- शर्करा मात्रा मिलने पर कंपनी या तो उत्पाद हराफेरी या वें
- कर्मचारी हितों

(3)



(4)



अथ (C) मेरे द्वारा (4) विकल्प को अपनाया जाएगा।

→ मैं कंपनी को उत्पाद की खासियत के अंगत का अर्थ तथा उसकी विश्वव्यापीय व सार्वजनिक वहाली का बात करूंगा।

↓  
विश्वास बढ़ेगा → वापस आगे → निरीपणकाल

क्यों? उपयुक्त हैं 4 विकल्प

- 1) कंपनी को दीर्घकालिक ऋण तथा खर्च होने से बचाया जा सकता है
- 2) कंपनी को सार्वजनिक बाजार तथा अपने उत्पादों की गुणवत्ता में प्रति प्रतिवद्धता में वृद्धि होगी
- 3) भारत सहित दुनियाभर में उसके लाभ में वृद्धि होगी
- 4) कंपनी अनुचित मुकदमों तथा कानूनी कार्रवाइयों से बच पाएगी।

उत्तर! कंपनियों को कारपोरेट लॉ में हाथ-हाथ सार्वजनिक बाजार को भी महत्व देना चाहिए

11.

सागर मेहता एक 42 वर्षीय पेशेवर है और उसका कॉर्पोरेट जगत में एक बेदाग रिकॉर्ड है। उसने हाल ही में इंफ्राटेक सॉल्यूशंस नामक कंपनी के CEO का पद धारण किया है। इंफ्राटेक सॉल्यूशंस भारत की सबसे बड़ी अवसंरचना क्षेत्र की कंपनियों में से एक है। इंफ्राटेक को सड़कों और पुलों के डिजाइन एवं निर्माण में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है तथा इसने विगत तीन दशकों में एक मजबूत प्रतिष्ठा हासिल की है। यह कंपनी मुख्य रूप से राज्य लोक निर्माण विभागों की परियोजनाओं पर कार्य करती है और कभी-कभी राष्ट्रीय एजेंसियों से अनुबंध भी प्राप्त करती है।

सागर ने यह पद 15 वर्षों की कड़ी मेहनत और समर्पण के परिणामस्वरूप प्राप्त किया था। उसने केवल अपनी प्रतिभा और ईमानदारी के बल पर कॉर्पोरेट जगत में तरक्की की है तथा उसने सदैव नैतिक व्यावसायिक पद्धतियों का पालन किया है। इंफ्राटेक के CEO के रूप में उसकी नियुक्ति को अक्सर विवादों से घिरे रहने वाले उद्योग में ताजी हवा के झोंके के रूप में देखा गया।

अपनी नई भूमिका में आठ महीने के बाद, सागर कंपनी को जिस दिशा में ले जा रहा था, उसे लेकर आत्मविश्वास महसूस कर रहा था। उसने नई प्रौद्योगिकियों को लागू किया, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया और अपनी परियोजनाओं में अधिक संधारणीय पद्धतियों के प्रयोग को बढ़ावा दिया।

एक शाम, कुछ वित्तीय दस्तावेजों की समीक्षा करने के दौरान, सागर ने एक पैटर्न देखा कि बड़े अनुबंधों की घोषणाओं से ठीक पूर्व विभिन्न अज्ञात संस्थाओं को बड़ी धनराशि भेजी जा रही थी। उत्सुक और थोड़ा चिंतित होकर, उसने इसकी गहराई से जांच करने का निर्णय किया। उसने पाया कि इंफ्राटेक उन राज्यों में सत्तारूढ़ राजनितिक दलों के सदस्यों के चुनाव अभियानों के लिए पर्याप्त राजनीतिक दान कर रहा था, जहां वे अनुबंधों को प्राप्त करने हेतु बोली लगा रहे थे। ये दान बड़ी सावधानी से समयबद्ध और रणनीतिक रूप से वितरित किए गए थे ताकि कंपनी द्वारा लाभकारी सरकारी परियोजनाओं के अनुबंध प्राप्त करने की संभावना अधिकतम हो सके।

सागर हमेशा साफ-सुथरा कार्य करने के लिए स्वयं पर गर्व महसूस करता था। इस मुद्दे को हल करने हेतु दृढ़ संकल्पित सागर ने इस मामले को बोर्ड की अगली बैठक में उठाया। उसे यह देखकर आश्चर्य और निराशा हुई कि निदेशक मंडल ने न केवल इस प्रथा को स्वीकार किया, बल्कि इसका दृढ़तापूर्वक बचाव भी किया। संदेश स्पष्ट था - बोर्ड को उम्मीद थी कि सागर इस प्रथा को जारी रखेगा तथा कोई भी विचलन न केवल कंपनी की स्थिरता को बल्कि CEO के रूप में उनकी स्थिति को भी खतरे में डाल सकता है।

जैसे ही सागर बैठक से बाहर निकला, उसने महसूस किया कि इस नैतिक दुविधा का बोझ उस पर बढ़ रहा है। एक तरफ, वह कंपनी की सफलता और इंफ्राटेक पर निर्भर हजारों कर्मचारियों की आजीविका के लिए उत्तरदायी था। दूसरी तरफ, अब वह एक ऐसे कृत्य में संलिप्त था जिसे वह नैतिक रूप से संदिग्ध और संभावित रूप से अवैध मानता था।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों का उल्लेख कीजिए।

(b) सागर के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) उसे क्या कारवाई करनी चाहिए? अपने उत्तर के समर्थन में कारण बताइए। (250 शब्दों में उत्तर लिखिए)

Sagar Mehta, a 42-year-old professional with an impeccable track record in the corporate world, had recently accepted the position of CEO at Infratech Solutions, one of India's largest infrastructure companies. Known for its expertise in designing and constructing roads and bridges, Infratech had built a strong

reputation over the past three decades, primarily working on projects for state public works departments and occasionally securing contracts with national agencies.

For Sagar, this role was the culmination of 15 years of hard work and dedication. He had climbed the corporate ladder through sheer talent and integrity, always adhering to ethical business practices. His appointment as CEO of Infratech was seen as a breath of fresh air in an industry often marred by controversies.

Eight months into his new role, Sagar was feeling confident about the direction in which he was steering the company. He had implemented new technologies, streamlined processes, and was pushing for more sustainable practices in their projects.

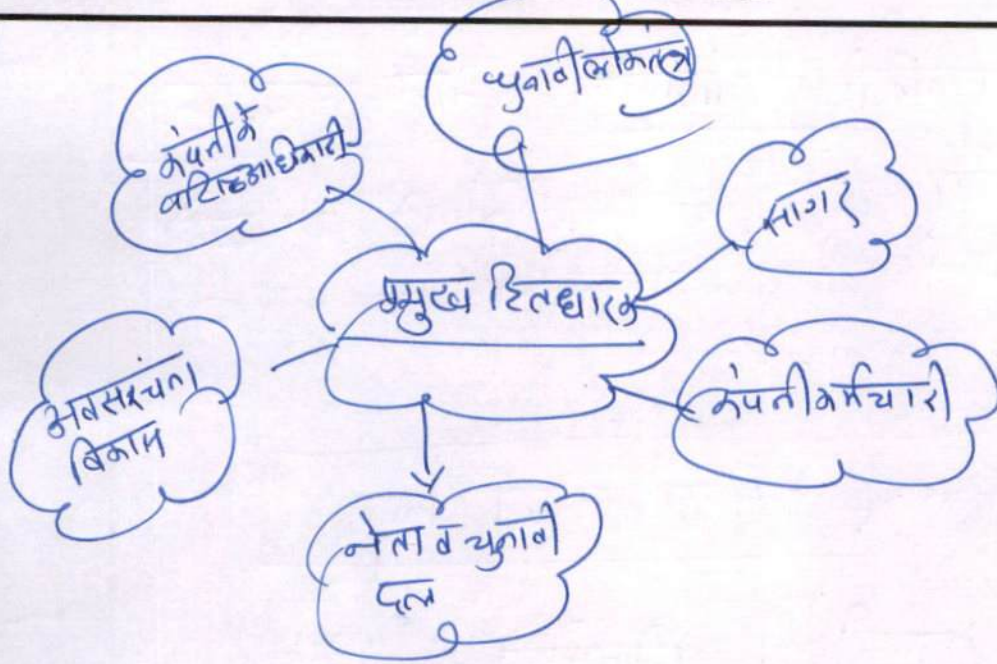
One evening, while reviewing some financial documents, Sagar noticed a pattern of large outflows to various obscure entities just before major contract announcements. Intrigued and slightly concerned, he decided to dig deeper. He found out that Infratech had been making substantial political donations to the election campaigns of ruling party members in states where they were bidding for contracts. These donations were carefully timed and strategically distributed to maximize the company's chances of securing lucrative government projects.

Sagar had always prided himself on running clean operations. Determined to address this issue, Sagar raised the matter at the next Board meeting. To his shock and dismay, the Board of Directors not only acknowledged the practice but also strongly defended it. The message was clear – the Board expected Sagar to continue this practice, and any deviation could jeopardize not just the company's stability but also his position as CEO.

As Sagar left the meeting, he felt the weight of this ethical dilemma bearing down on him. On the one hand, he was responsible for the company's success and the livelihoods of thousands of employees who depended on Infratech. On the other hand, he was now complicit in a practice that he found ethically questionable and potentially illegal.

- (a) State the ethical issues involved in this case.
- (b) Evaluate the options available to Sagar.
- (c) What should be his course of action? Give reasons to support your answer. (Answer in 250 words) 20

उपरोक्त प्रकरण सार्वजनिक सेवाओं  
के विकास के लिए निम्नलिखित नए नए कर्माचारियों द्वारा  
सरकारी दलों की प्राप्ति के लिए चुनावी राजस्व को  
विचरित करने से जुड़ा है। चुनावी राजस्व  
कारपोरेट के साथ जोड़ा है। अल्पकाल में कोषांतर  
देना है।



मुख्य मुद्दे :-

- (1) व्याप्तिकाल ईमानदारी पर कार्यसंस्कृति :- संगठन भ्रष्ट व अनैतिक वित्तीय प्रथाओं में लगे रहें
- (2) व्याप्तिकाल लालच पर सार्वजनिक हितों पर सार्वजनिक हितों की अनदेखी करना
- (3) प्रति [व्यक्त्युपनिवेश पर अलग-अलग] :- कंपनी राज्य सरकार से नेताओं से हाथ गठबन्धन बनाकर युवाओं की जातिगत कलम, मतभेदात्मिक सरकारी टेंडर प्राप्त करती है
- (4) कंपनी की लापरवाही पर जनविश्वास :- भ्रष्टाचार उपागम होने पर कंपनी लापरवाही उजागर

(II) कर्मचारियों की आयीविका पर नैतिक उत्तरदायित्व

सागर अपने दायित्व निभाते हुए हथारों  
लोगों की आयीविका को संकट में डाल  
सकता है

Ans (b)

सागर के समझ उपलब्ध विषय

1) कंपनी की गतिविधियों को होने दे

गुण

- कर्मचारियों का डेटल सुर होर
- कंपनी को डेटल मिलना
- अधिकारियों की बात मानना  
तथा अनुशासन

दोष

- श्रद्धे राखनी तिक  
गठिच्यो को  
वढ़ावा
- नैतिक हद  
से जीवन में  
अशान्ति
- कर्तव्यानेहो से  
ठुठ होइना

2) कंपनी में क्षतीया केर, अन्यथा नैतिक त्वाश

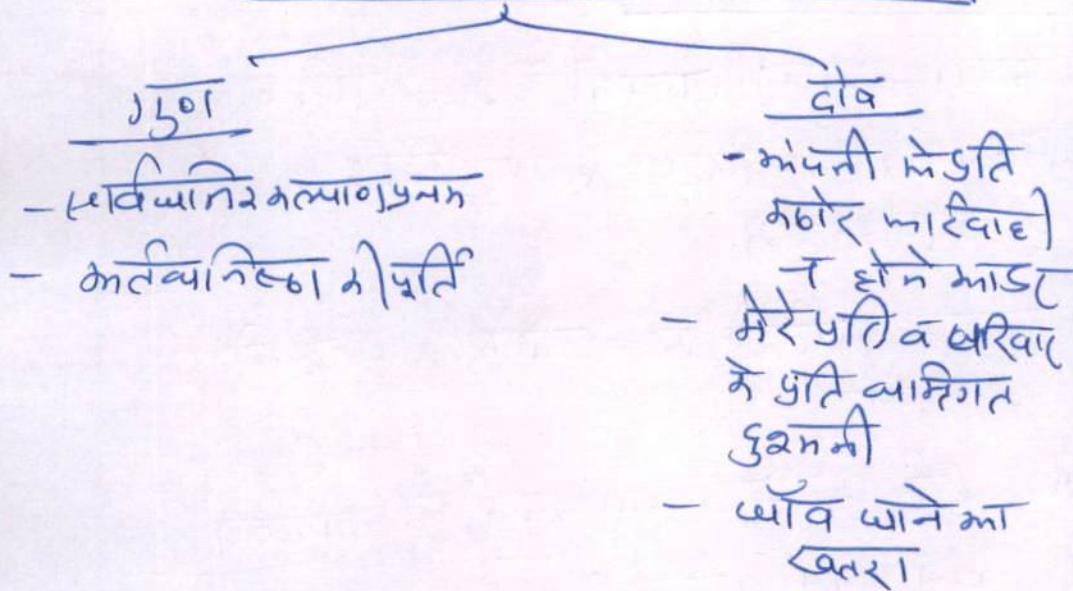
गुण

- कंपनी की शाखवची रहेगी
- नैतिक हद से इकरा

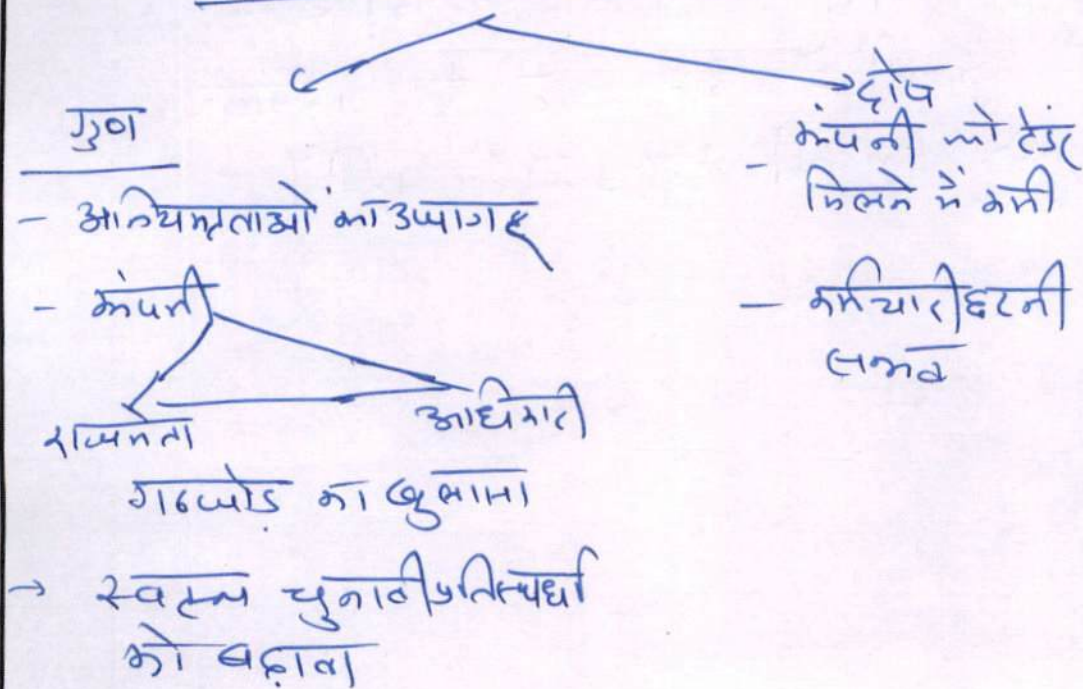
दोष

- नैतिक कर्तव्यों से  
अलगना
- दोषारा कतनी अच्ची  
नैतिक मिलने  
का जोरिण

3). मंयनी की अनियमितताओं को उपागकरण



4). मीडिया, NGO, बिपनीपार्टी के सहयोग से विसमल्लाईंग करना



अप(0) अंत: मेरे द्वारा (4) विमल्य चुना पासगा।

मेरी कार्रवाई का औचित्य

- स्वल्प्य चुना वी प्रतिस्पर्धिते राज्यीति में धनकत प्रवाह प्रमेगा तथा उचित नेता चुनकर आएंगे
- सार्वजनिक नीतियों पर कार्पोरेट का दबाव हटती होगा
- मेरा हित सुरक्षित तथा कंपनी का वित्तपोषण हट्टु धन व्यय वचेगा
- हेट्टु प्रणाली में स्वल्प्य प्रतिस्पर्धा होगी यूमि मेरी कंपनी की लक्ष्मीकी साथ अरुदी व अतः वह पुनः प्रतिस्पर्धा के साथ ही हेट्टु प्रवृत्त कर लक्ष्मी व

12.

आप राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) में एक वरिष्ठ अधिकारी हैं और आपकी प्राथमिक भूमिका यह सुनिश्चित करना है कि देश भर में प्रवेश परीक्षा के प्रोटोकॉल का एक समान रूप से अनुपालन किया जाए। आप शिक्षा प्रशासन में अपने विगत दो दशकों से अधिक के अनुभव के साथ, हमेशा परीक्षा प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर गर्व करते हैं।

पिछले माह, NTA ने देश भर में मेडिकल प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह-प्रवेश परीक्षा (NEET) का आयोजन किया। इस अत्यंत प्रतिस्पर्धी परीक्षा में 20 लाख से अधिक अभ्यर्थी सम्मिलित हुए, जिनमें से प्रत्येक प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों में सीट प्राप्त करने की अपेक्षा कर रहा था।

हालांकि, परीक्षा के कुछ दिनों के भीतर, आपके कार्यालय में विभिन्न स्रोतों से चौंकाने वाली रिपोर्टें आने लगीं। कई राज्यों में स्थानीय समाचार पत्रों द्वारा कथित पेपर लीक के समाचार प्रकाशित किए जाने लगे। आपके फोन पर चिंतित अभिभावकों और छात्रों के कॉल आने लगे। वे आपको परीक्षा केंद्रों पर अनियमितताओं की रिपोर्ट कर रहे थे। इसमें अभ्यर्थियों द्वारा मोबाइल फोन के उपयोग करने, कुछ अभ्यर्थियों को अतिरिक्त समय देने और यहां तक कि प्रॉक्सी अभ्यर्थियों को परीक्षा देते हुए देखे जाने के दावे शामिल थे।

जैसे-जैसे ये रिपोर्टें आपके सामने आती हैं वैसे-वैसे स्थिति तेजी से बिगड़ती जाती है। राष्ट्रीय मीडिया ने इस समाचार को प्रमुखता से उठाया और जल्द ही यह प्रत्येक समाचार चैनल की सुर्खियों में आ गया। सोशल मीडिया पर "जस्टिस फॉर स्टूडेंट" हैशटैग के साथ व्यापक चर्चा होने लगी। अभिभावक संगठन आपके कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे तथा पुनर्परीक्षा के साथ दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की मांग कर रहे थे।

इस अव्यवस्था के बीच, आपको शिक्षा मंत्री का फोन आता है, जो स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं और त्वरित कार्रवाई की मांग करते हैं। आप पर त्वरित कार्रवाई का दबाव बहुत अधिक है, लेकिन आप यह जानते हैं कि बिना गहन जांच के जल्दबाजी में लिए गए किसी भी निर्णय के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।

इस पेशेवर चुनौती के मध्य आपको एक व्यक्तिगत दुविधा का सामना करना पड़ता है जिससे यह मामला और अधिक जटिल बन जाता है। आपकी बेटी ने भी इस वर्ष NEET परीक्षा दी थी। वह दो वर्ष से तैयारी कर रही थी और प्रायः देर रात तक अध्ययन करती थी।

प्रारंभ में, आपकी बेटी अपनी परीक्षा के प्रदर्शन को लेकर उत्साहित थी। किंतु अनियमितताओं के समाचारों के बाद से, आपने उसके व्यवहार में परिवर्तन देखा है। वह असामान्य रूप से चुप रहती है तथा रात के भोजन के दौरान नजरे चुराती है एवं अपने कमरे में ही अधिक समय व्यतीत करती है।

एक शाम, असहनीय तनाव के कारण आप अपनी बेटी से बातचीत करते हैं। बहुत समझाने के बाद, वह टूट जाती है और रोते हुए स्वीकार करती है कि उसने कुछ राशि के बदले एक निजी सोशल मीडिया चैनल के माध्यम से लीक हुए कुछ प्रश्न प्राप्त किए थे। वह दावा करती है कि उसे यकीन नहीं था कि वे प्रश्न वास्तविक थे, किंतु फिर भी उसने उनकी तैयारी की। अब वह आपसे कोई कार्रवाई न करने की विनती करती है।

इस स्थिति में आप अपने पेशेवर कर्तव्य और अपनी बेटी के प्रति अपने प्रेम के बीच दुविधा में उलझ जाते हैं, तो आपको आपके निर्णय के बोझ का एहसास होता है। ऐसे में संपूर्ण परीक्षा प्रणाली की सत्यनिष्ठा के साथ लाखों छात्रों का भविष्य भी दांव पर लगा है, जिसमें आपकी बेटी भी शामिल है।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) परीक्षा प्रोटोकॉल सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी व्यक्ति के रूप में, आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? आप क्या कार्रवाई करेंगे और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a senior official in the National Testing Agency (NTA) and your primary role is to see if the entrance exam protocols are followed uniformly across the country. With over two decades of experience in education administration, you have always prided yourself on your commitment to fairness and transparency in the examination process.

Last month, the NTA conducted the National Eligibility cum Entrance Test (NEET) for medical admissions across the country. Over 2 million aspirants appeared for this highly competitive exam, each hoping to secure a seat in prestigious medical colleges.

However, within days of the exam, your office is inundated with alarming reports from various sources. Local newspapers carry stories of alleged paper leaks in several states. Your phone rings constantly with calls from concerned parents and students reporting irregularities at exam centers - claims of candidates using mobile phones, some being granted extra time, and even sightings of proxy candidates taking the test.

As you grapple with these reports, the situation escalates rapidly. National media picks up the story, and soon it's the headline on every news channel. Social media is abuzz with hashtags demanding justice for the students. Parents' associations are organizing protests outside your office, calling for a re-examination and severe punishment for the culprits.

Amidst this chaos, you receive a call from the Education Minister, who expresses grave concern over the situation and demands immediate action. The pressure to act swiftly is immense, but you know that a hasty decision without thorough investigation could have far-reaching consequences.

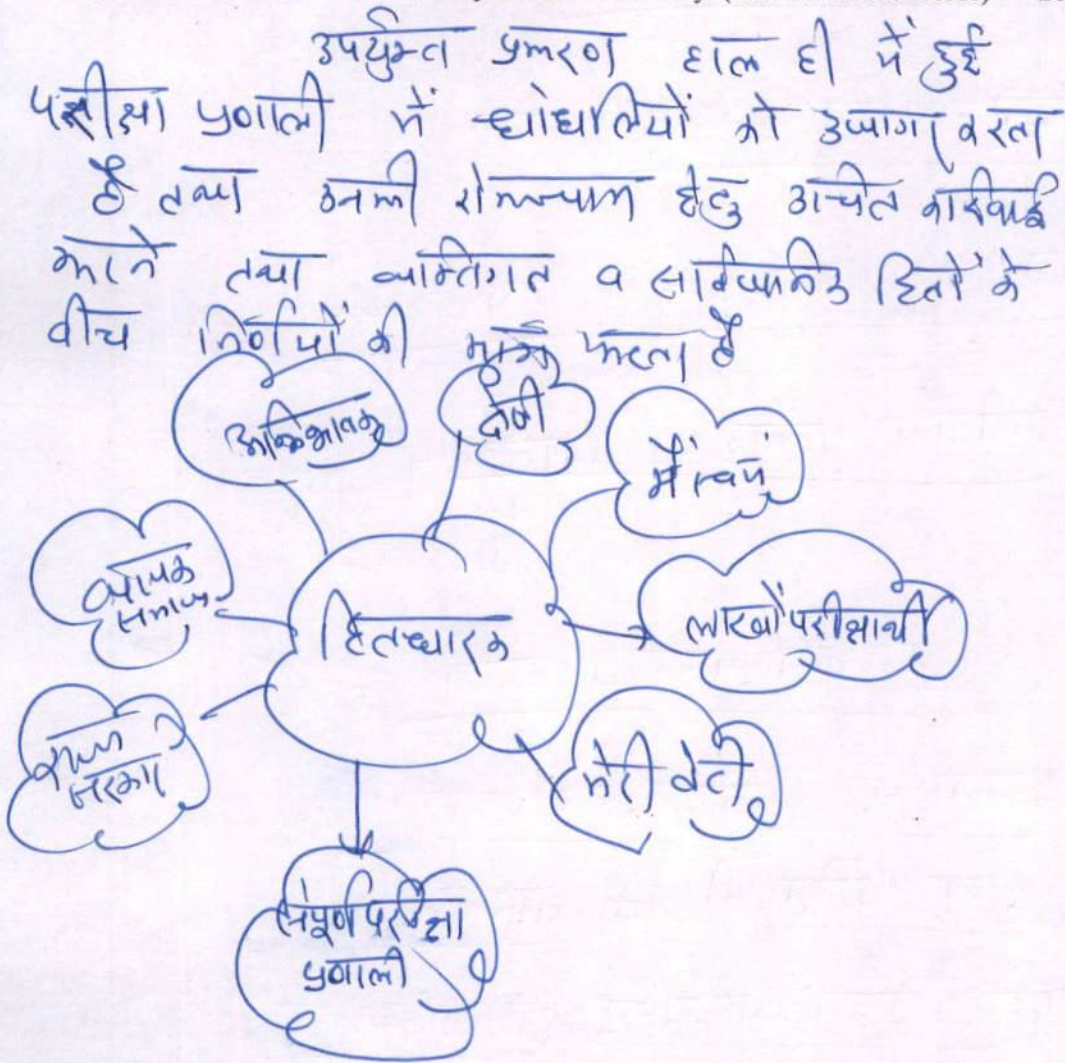
As if the professional challenge was not daunting enough, you face a personal dilemma that threatens to complicate matters further. Your daughter also took the NEET exam this year. She had been preparing for two years, often studying late into the night.

Initially, your daughter had been ecstatic about her performance in the exam. However, since the news of irregularities broke, you have noticed a change in her behavior. She has been unusually quiet, avoiding eye contact during dinner, and spending more time alone in her room.

One evening, unable to bear the tension, you confront your daughter. After much prodding, she breaks down and confesses. Tearfully, she admits to having accessed some leaked questions through a private social media channel, in exchange for money. She claims she was not sure if they were genuine, but prepared them anyway. She is now pleading with you to not take any action.

As you stand there, torn between your professional duty and your love for your daughter, you realize the weight of the decision before you. The integrity of the entire examination system hangs in the balance, as does the future of millions of students - including your own child.

- (a) Discuss the ethical issues involved in this case.
- (b) As a person responsible for ensuring exam protocols, what are the options available to you? What course of action will you follow and why?(Answer in 250 words) 20



Any - (as <sup>उस</sup> व्यक्तिगत हित vs सामूहिक हित)

- 2) परीक्षा प्रणाली की निष्पत्ति vs भ्रष्टाचार
- 3) परीक्षाओं की निष्पत्ति vs अनिश्चितता

4). इमानदा (हज्जों के हित) के अर्थ में अर्थों का हित

5). अभिभावक के अर्थ में अर्थों का हित

6). अर्थों का हित के अर्थ में अर्थों का हित

7). अर्थों की तात्कालिकता के अर्थ में अर्थों का हित

8). अर्थों पर करवाई के अर्थ में अर्थों का हित

9). अर्थों के अर्थ में अर्थों का हित

1). अर्थों का अर्थ में अर्थों का हित

2). अर्थों पर अर्थों की अर्थ में अर्थों का हित

3). अर्थों के अर्थ में अर्थों का हित

4). अर्थों के अर्थ में अर्थों का हित

5). अर्थों के अर्थ में अर्थों का हित

6). अर्थों के अर्थ में अर्थों का हित

मेरे द्वारा करिवाइ

करिवाइ	स्रोत
1) पहले आंच के आदेश देना	परीक्षा छांदली रीगुलरई का पता लगाना
2) दीवियों पर कठोर करिवाइ करना	मेहनती छात्रों में प्रविष्ट के साथ खिलवाड़ करने में आगे कोई दिमाकत न करे
3) आंच लमिति की रिपोर्ट आने पर परीक्षा रद्द करना या पुनरा कराने का आश्वासन	- परीक्षाओं में गुप्तता धनी रहे
<del>4) माह पर यदि</del>	

अंतः परीक्षाओं में छांदली शेकने हेतु दीर्घकालिक आयों जैसे व्यापक सुरक्षा योजना - (CCU), आधिकारिकों की जिम्मेदारी ब्यक्तता तथा मुख्य आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना शामिल है

